जीवन दर्शन

निषेध से आकर्षण बढ़ता है। जिस चीज का इंकार किया जाए, उसमें एक तरह का रस पैदा होना शुरू हो जाता है -ओशो

दैनिक

ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

रोहन ने हासिल की उपलब्धि, एटीपी मास्टर्स का मैच जीतने वाले ...

पृष्ठ 8 पर

www.globalherald.news

मंगलवार 8 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 56 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

न्यूज ब्रीफ

मुंबई जा रही इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी, छत्रपति शिवाजी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई: जयपुर से मुंबई जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में बम की धमकी मिली। इस वजह से फ्लाइट को इमरजेंसी में लैंड कराया गया। फ्लाइट शाम 8.50 बजे सुरक्षित रूप से मुंबई में उतरी। सुरक्षा नियमों के अनुसार, इसे एयरपोर्ट पर एक अलग जगह पर खड़ा किया गया है। फ्लाइट में 225 यात्री थे। विमान के टॉयलेट में एक धमकी भरा नोट मिलने के बाद यह कदम उठाया गया। छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) ने एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि जयपुर से मुंबई जा रहे एक विमान में धमकी भरा नोट मिला। सावधानी बरतते हुए मुंबई एयरपोर्ट पर रात 8:43 बजे फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। फ्लाइट रात 8:50 बजे सुरक्षित रूप से उतर गई। एयरपोर्ट का काम सामान्य रूप से चल रहा है।

बदलापुर यौन शोषण केस- 5 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज होगी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बदलापुर यौन शोषण केस के आरोपी के एनकाउंटर मामले में पांच पुलिसकर्मियों पर एफआई?आर के आदेश दिए हैं। मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाने का भी आदेश दिया है। इसके लिए अदालत ने दो दिन का समय दिया है। कोर्ट ने एनकाउंटर की एफआईआर दर्ज न करने पर सोमवार को राज्य सरकार की आलोचना की। कोर्ट ने कहा- इससे आम आदमी के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में विश्वास कमजोर होता है। राज्य सरकार ने दलील दी थी कि केवल मजिस्ट्रेट की जांच के आधार पर पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज नहीं कर सकते, हम सीआईडी की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

हाईकोर्ट से आसाराम को फिर मिली राहत, 1 जुलाई तक बढ़ी अंतरिम जमानत

जोधपुर: राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बार फिर से आसाराम को उपचार के लिए अंतरिम राहत देते हुए अंतरिम जमानत को 1 जुलाई 2025 तक बढ़ा दिया है. जस्टिस दिनेश मेहता व जस्टिस विनीत कुमार माथुर की डबल बेंच में आसाराम की ओर से अंतरिम जमानत को आगे बढ़ाने के लिए आवेदन पेश किया गया था. आसाराम की ओर से अधिवक्ता निशांत बोडा व यशपाल सिंह राजपुरोहित ने पैरवी करते हुए आसाराम के उपचार के लिए अंतरिम जमानत बढ़ाने की वकालात की. उन्होने कहा कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने 7 जनवरी 2025 को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी थी. अंतरिम जमानत की अवधि पूरी होने के बाद आसाराम की ओर से सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया गया.

पेट्रोलियम कंपनियों के घाटे से बढ़े गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपए महंगा, उज्ज्वला के लाभार्थियों को भी झटका

नई दिल्ली ■

घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया है। आज यानी, सोमवार 7 अप्रैल को पेट्रोल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। अभी दिल्ली में गैस सिलेंडर 803 रुपए में मिलता है। दाम बढ़ने के बाद कीमत 853 रुपए हो जाएगी। वहीं उज्वला योजना के लाभार्थियों के गैस सिलेंडर की कीमत 500 से बढ़कर 550 रुपए हो जाएगी। आखिरी बार सरकार ने 8 मार्च 2024 को महिला दिवस पर सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कटौती थी। तब दिल्ली में सिलेंडर 903 रुपए का था।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दाम क्यों बढ़ाए?

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा- ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को लागत से कम कीमत पर सिलेंडर बेचने के कारण लगभग 41,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस घाटे को कम करने के लिए कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया।

केंद्र सरकार के फैसले से जनता को राहत

केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दी है। हालांकि, आधे घंटे बाद ये भी साफ किया कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी। अभी सरकार पेट्रोल पर 19.90 रुपए लीटर और डीजल पर 15.80 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पर 21.90 रुपए लीटर और डीजल पर 17.80 रुपए लीटर ड्यूटी लगेगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ड्यूटी को कच्चे तेल की घटी कीमतों से एडजस्ट किया जाएगा।

1 अप्रैल को कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 44.50 रुपए घटाए थे

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अप्रैल को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 44.50 रुपए तक घटाए थे। दिल्ली में इसकी कीमत 41 घटकर 1762 रुपए हो गई। पहले ये 1803 रुपए में मिल रहा था। कोलकाता में यह 44.50 रुपए घटकर 1868.50 रुपए में मिल रहा है, पहले इसके दाम 1913 रुपए थे। मुंबई में सिलेंडर 1755.50 रुपए से 42 रुपए घटकर 1713.50 रुपए हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1921.50 रुपए का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 रुपए KG वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 रुपए और मुंबई में 802.50 रुपए का मिल रहा है।

कैसे तय होती है गैस सिलेंडर की कीमत

तेल कंपनियां हर महीने पिछले महीने के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों, एक्सचेंज रेट और अन्य लागतों के आधार पर LPG की बेस प्राइस तय करती हैं। इसके बाद टैक्स, ट्रांसपोर्ट, और डीलर कमीशन जोड़कर खुदरा मूल्य निकाला जाता है। सब्सिडी वाले सिलेंडर के लिए सरकार अंतर की भरपाई करती है, जबकि गैर-सब्सिडी वाले सिलेंडर की पूरी कीमत ग्राहक चुकाता है।

नया वक्फ कानून-सुप्रीम कोर्ट याचिकाओं की अर्जेंट सुनवाई पर विचार करेगा

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह नए वक्फ कानून की संवैधानिकता को चुनौती देना वाली याचिकाओं को लिस्ट करने यानी सुनवाई पर फैसला करेंगे। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत से अर्जेंट हियरिंग की मांग की थी। इस पर सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा- आप वकीलों से कहें कि हमें मेल या पत्र भेजें। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट हियरिंग के लिए ओरल मेंशनिंग यानी जुबानी अपील की व्यवस्था खत्म हो चुकी है।

सिबब्ल के बाद सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा- ठीक है, हम पत्र और मेल देखेंगे। इन पर फैसला लिया जाएगा। हम इन्हें लिस्ट करेंगे। नए वक्फ कानून की संवैधानिकता के खिलाफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अलावा सुप्रीम कोर्ट में 11 याचिकाएं दाखिल की जा चुकी हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि हमारी राज्य इकाइयां भी हाईकोर्ट में कानून को चुनौती देंगी।

अमेरिकी डाउ जोन्स 4.5% गिरकर 1200 अंक रिकवर

न्यूयॉर्क ■

एशियन और यूरोपीय बाजारों में गिरावट के बाद अब अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट देखने को मिल रही है। अभी डाउ जोन्स इंडेक्स करीब 150 पॉइंट या 0.5% गिरकर 38,146 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शुरूआती कारोबार में इसमें 1,400 पॉइंट (4.5%) की गिरावट आई थी। बीते हफ्ते के आखिरी दो कारोबारी दिन में डाउ जोन्स 9% से ज्यादा गिरा था। यानी लगातार तीन कारोबारी दिन में डाउ जोन्स करीब 10% गिरा है।

वहीं, अमेरिकी बाजार के S&P 500 इंडेक्स में 22 पॉइंट या 0.44% की बढ़ोतरी है, ये 5,096 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। नैस्डेक कंपोजिट 121 अंक या 0.78% चढ़कर 15,708 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इस बीच ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट शेयर कर चीन को अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा कि चीन रीटेलिएटरी टैरिफ वापस ले, नहीं तो उसे 50% एडिशनल टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प किसी भी देश पर रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ को नहीं रोकेंगे। व्हाइट हाउस ने उन सभी खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि ट्रम्प चीन को छोड़कर सभी देशों पर 90 दिनों तक रेसिप्रोकल टैरिफ रोकने पर विचार कर रहे हैं।

हज से पहले सऊदी अरब ने लगाई बड़ी पाबंदी

भारत सहित 14 देशों का वीजा रोका नियम तोड़ने पर 5 साल की एंट्री बैन

रियाद ■

बिना रजिस्ट्रेशन हज में शामिल होने वालों को रोकने के लिए सऊदी अरब ने भारत और पाकिस्तान समेत 14 देशों के वीजा पर रोक लगा दी है। यह रोक अस्थाई है। उमरा, बिजनेस और फैमिली विजिट के लिए मिलने वाले वीजा पर जून महीने के मध्य तक बैन रह सकता है। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों के पास उमरा का वीजा है वे 13 अप्रैल तक सऊदी अरब पहुंच सकते हैं। इस साल हज यात्रा 4 जून से 9 जून तक रहेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यात्रियों से नए नियमों का पालन करने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो अगले पांच साल तक सऊदी अरब में उसकी एंट्री पर रोक लगाई जा सकती है।

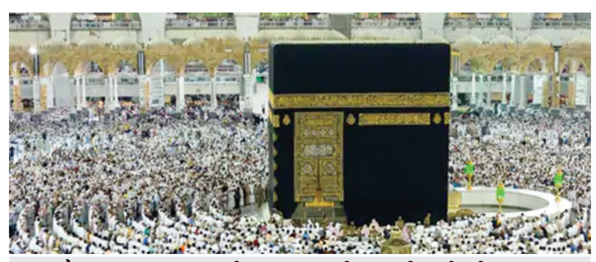

गैर-कानूनी रूप से हज करने वालों को रोकना

रिपोर्ट्स में कहा गया कि कई विदेशी नागरिक उमरा या विजिट वीजा पर सऊदी अरब आते हैं। वीजा खत्म होने के बाद भी वे गैर-कानूनी तौर पर सऊदी में रुके रहते हैं। इसके बाद वे बिना रजिस्ट्रेशन हज यात्रा में हिस्सा लेते हैं। इसी को रोकने के लिए सऊदी सरकार ने यह फैसला लिया है। बिना रजिस्ट्रेशन हज यात्रा करने से अधिकारियों को श्रद्धालुओं का अंदाजा नहीं लगता है। भीड़ अचानक बढ़ जाती है और गर्मी भी। भीड़ का नियंत्रण करने में भी अधिकारियों को दिक्कत आती है।

विदेशी सऊदी में गैर-कानूनी तौर पर काम कर रहे

अधिकारियों ने बताया कि अवैध कामकाज भी एक बड़ा कारण है। कुछ विदेशी नागरिक व्यापार या पारिवारिक वीजा का इस्तेमाल कर सऊदी अरब में गैर-कानूनी रूप से काम कर रहे थे, जिससे वीजा नियमों का उल्लंघन हो रहा था और मजदूरी बाजार में असंतुलन पैदा हो रहा था। 2024 में हज यात्रा 14 जून से 29 जून के दौरान रखी गई थी। हज यात्रा में बहुत ज्यादा तीर्थयात्रियों के आने से गर्मी का प्रभाव बढ़ गया था। इसके चलते कम से कम 1,200 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। इनमें 98 भारतीय भी शामिल थे।

सैम बोले- कांग्रेस में चचाएं होती हैं, एग्जीक्यूशन नहीं

अहमदाबाद। कांग्रेस का 84वां अधिवेशन 8 और 9 अप्रैल को अहमदाबाद में होने जा रहा है। एक दिन पहले ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, 'मुझे गर्व है कि पार्टी गुजरात में अधिवेशन कर रही है। मेरा मानना है कि कांग्रेस के अधिवेशन में आइडियोलॉजी पर अच्छी चर्चा होती है, लेकिन एग्जीक्यूशन नहीं हो पाता। कांग्रेस नेता अपने अंदर गांधीजी के विचार ला पाए तो यह बड़ी उपलब्धि होगी।' पित्रोदा ने कहा, 'इससे पहले रायपुर और जयपुर में सम्मेलन आयोजित किए गए थे। पार्टी को जिम्मेदारों से पूछना चाहिए कि उस समय जो सुझाव आए उनका कितना एग्जीक्यूशन हो पाया।

रेपो रेट में 0.25% की कटौती कर सकता है आरबीआई

मुंबई ■

नए वित्त वर्ष में रिजर्व बैंक की पहली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग आज यानी, सोमवार 7 अप्रैल से शुरू हो रही है। इस मीटिंग में रेपो रेट में 0.25% की कटौती का अनुमान लगाया गया है। यानी, आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा इस मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी देंगे। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

आरबीआई की मीटिंग आमतौर पर हर दो महीने में होती है। बीते दिनों रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठकों का शेड्यूल जारी किया था। इस वित्तीय वर्ष में कुल 6 बैठकें होंगी। पहली बैठक 7-9 अप्रैल को हो रही है। फरवरी में ब्याज दर में की थी कटौती इससे पहले चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 की आखिरी मीटिंग में आर.बी.आई ने ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की थी।

बांग्लादेश की यूनुस सरकार का भारत विरोधी एजेंडा सामने आया

चीन को कोलकाता के पास पोर्ट सौंपा

ढाका ■

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस का भारत विरोधी रवैया जारी है। बिम्सटेक समिट में पीएम मोदी से मुलाकात के बाद भी यूनुस सरकार ने चीन और पाकिस्तान को रणनीतिक जगहों पर अहम प्रोजेक्ट सौंप दिए हैं। इनमें एक पोर्ट और एक एयरबेस शामिल है।

बांग्लादेश ने भारत के कोलकाता से सिर्फ 200 किमी दूर मोंगला पोर्ट के विस्तार की जिम्मेदारी चीन को दी है। यूनुस की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान इस डील पर मुहर लगी थी। चीन ने इस पोर्ट के डेवलपमेंट के लिए 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,300 करोड़ रुपए)

देने का वादा किया है। वहीं, बांग्लादेशी सरकार लालमोनिरहाट जिले में एक सैन्य एयरबेस बना रही है, जो भारत के 'चिकन नेक' यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर से सिर्फ 120 किमी दूर है। इस एयरबेस के लिए बांग्लादेशी पायलटों को पाकिस्तान भेजा जा रहा है ताकि वे पाकिस्तानी जे.एफ-17 फाइटर जेट्स उड़ाना सीख सकें। 27 मार्च को पांच अधिकारियों को ट्रेनिंग के लिए भेजा भी गया।

चीन और पाकिस्तान दोनों की मौजूदगी भारत के लिए खतरा

चीन पहले ही बांग्लादेश को पनडुब्बी दे चुका है और अब वह बंगाल की खाड़ी में अपनी मौजूदगी और मजबूत कर रहा है। वहीं, पाकिस्तान के साथ मिलकर बांग्लादेश की ये सैन्य गतिविधियां भारत की चिंता बढ़ा रही हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने से पहले ही विपक्षी गठबंधन ने ह्यइंडिया आउटह्न कैंपेन शुरू कर दिया था। अब यूनुस की पार्टी राकांपा खुलेआम भारत विरोधी बातें कर रही है। पार्टी के स्थापना दिवस पर पाकिस्तान के हाई कमिश्नर को बुलाना भी इसी एजेंडे का हिस्सा माना जा रहा है।

ममता बोलीं- काबिल टीचर्स के लिए कोर्ट का फैसला अन्यायपूर्ण

कोलकाता ■

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को उन शिक्षकों और स्टाफर्स से मुलाकात की, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडिडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे। ममता ने यह मुलाकात कोलकाता के नेताजी इनडोर स्टेडियम में की।

इस दौरान उन्होंने कहा, आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थरदिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है। वहीं,

शिक्षकों ने कहा कि घोटाले में मुख्यमंत्री , उनका मंत्रिमंडल और आयोग सभी शामिल हैं। नौकरियों के बदले रिश्वत ली गई है। मुख्यमंत्री ने आज हमें 'लॉलीपॉप' दिया है कि मामले की जांच कराएंगी। हालांकि, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करने की बात कही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

व्यंग्य : ट्रम्प नीति : खुद तो डूबेंगे औरों को भी ले डूबेंगे..?

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प भले ने ही यह कहा हो कि अमेरिका को फिर से महान बनाना है और उसी सोच के साथ उन्होंने 180 देशों पर जो टेरिफ का अटैक किया है उसका प्रभाव अमेरिका पर भी बेतहाशा मंदीकारक दिख रहा है. ऐसे में ट्रम्प की अति महत्वकांछा की नीति ऐसी परिलक्षित हो रही है कि 'खुद तो डूबेंगे, औरों को भी ले डूबेंगे' अमेरिका सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में 45 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं. भारतीय शेयर बाजारों में एक दिन में 19 लाख करोड़ डूबने से हाहाकार मच गया..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस

GHNA

दिलीप शर्मा

(वरिष्ठ पत्रकार)

शेयर बाजार में हाहाकार : ट्रम्प - मोदी दोस्ती पर कांग्रेस का प्रहार..?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सोच 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन ' पर सवाल उठाते हुए एक यूजर ने एक्स पर लिखा कि ऐसी सोच का विरोध प्रदर्शन करने से सरकार को दिक्कत है तो सोरोस पर इल्जाम लगाते हैं, लेकिन एलन मस्क का लोगों को वोट के लिए पैसे देना कितना सही है..? ऐसा सवाल इसलिए किया गया, क्योंकि अमेरिका में ट्रम्प नीति से महंगाई बढ़ गई है और परेशान होकर लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं.शेयर बाजार में भी नुकसान हुआ है. इसका मतलब साफ है कि ट्रम्प की अति महत्वकांछा की नीति का दांव उल्टा पड़ गया है, क्योंकि अमेरिका के शेयर बाजार में भी दो दिन में ही 10 ट्रिलियन डॉलर डूबे हैं. एशिया, यूरोप सहित भारतीय शेयर बाजारों में भी ट्रम्प के टेरिफ वार से हाहाकार मच गया है. भारतीय शेयर बाजारों में एक दिन में 19 लाख करोड़

डूबने से दिन ब्लैक मंडे घोषित हुआ. टाटा समूह की कम्पनियों के शेयर में एक दिन में ही करीब डेढ़ लाख करोड़ का नुकसान निवेशकों को हुआ. प्रधानमंत्री मोदी व ट्रम्प की दोस्ती की अक्सर चर्चा होती रही है और ट्रम्प मोदी की बार बार तारीफ भी करते रहे हैं, लेकिन जुबां पर तारीफ व मन में बिजनेस के खेल में माहिर ट्रम्प ने अपना खेल तो खेल दिया है, लेकिन अब मोदी सरकार को अब अर्थव्यवस्था को मंदी से बचाना भी है और विपक्ष के आरोप से भी बचना है, क्योंकि कांग्रेस ने तुरंत मौका पाकर

मोदी को घेरा है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि ट्रम्प व मोदी दोनों की नीति से अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है. उन्होंने 2016 में की गई नोटबंदी व ट्रम्प की टेरिफ नीति को भी लिंक किया. उल्लेखनीय है कि नोटबंदी के बाद अगले दिन बाजारों में भारी मंदी आई थी. वैसे 1992 में मनमोहन सिंह सरकार के समय में भी हर्षद मेहता के घोटाले से निवेशकों के करोड़ों डूबे थे. 2004 में यूपीए की अप्रत्यशित जीत से भी बाजार क्रेश हुआ था. 23 मार्च 2020 को कोविड महामारी से सेंसेक्स 3395 अंक गिरा था, क्योंकि भारत में देशव्यापी लॉक डाउन हुआ था. भारी मंदी के दौर पिछले दशकों में आते रहे हैं, लेकिन अभी ट्रम्प का टेरिफ वार मुख्य कारण बन गया है और एक्सपर्टस का मानना है कि अभी बाजार जल्दी ही मंदी से नहीं उबर सकता.पहली तिमाही में और मंदी आ सकती है.

10 साल बाद मुंबई से जीता बेंगलुरु, 12 रन से हराया

मुंबई ■

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2025 में सोमवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) पर 12 रनों की रोमांचक जीत दर्ज की है। टीम 10 साल बाद वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हरा सकी है। उस पिछली जीत 2015 के सीजन में मिली है। मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बेंगलुरु ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 221 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन ही बना सकी। कप्तान हार्दिक पंड्या (42 रन) और तिलक वर्मा (56 रन) ने 34

बॉल पर 89 रन की साझेदारी कर-के अपनी टीम को रन चेज में बनाए रखा, लेकिन इन दोनों के आउट होते ही टीम हार गई। बेंगलुरु की ओर से क्रुणाल पंड्या ने 4 विकेट झटके। यश दयाल और जोश हेजलवुड को 2-2 विकेट मिले।

पीथमपुर ईकोनॉमिक कॉरिडोर में आज फिर 40 बीघा जमीन की मिली सहमति

स्टेक होल्डर्स के साथ हुई बैठक में 50 से अधिक जमीन मालिक हुए शामिल, अब तक मिल चुकी 120 बीघा जमीन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास में एक नया अध्याय जोड़ने वाली पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। सोमवार को मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के दफ्तर में हुई स्टेक होल्डर्स की बैठक में 50 से अधिक जमीन मालिकों ने हिस्सा लिया, जिसमें 40 बीघा जमीन के लिए सहमति प्राप्त हुई। अब तक इस परियोजना के लिए 120 बीघा जमीन की सहमति मिल चुकी है। शेष जमीन मालिकों ने अपने परिजनों से चर्चा के बाद जल्द ही निर्णय देने का भरोसा जताया है। इस बैठक में न केवल जमीन मालिकों की शंकाओं का समाधान किया गया, बल्कि उन्हें इस परियोजना से होने वाले लाभों के प्रति प्रेरित भी किया गया।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी डायरेक्टर श्री राजेश राठौड़ ने बैठक में जमीन मालिकों के हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह परियोजना तय समयसीमा में पूरी होगी, जिससे किसानों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही, उन्हें मिलने वाले विकसित भूखंडों का उपयोग वे तुरंत शुरू कर सकेंगे। जमीन मालिकों ने भी इस बात पर संतोष जताया कि परियोजना समय पर पूरी होने की उम्मीद है। उनका कहना था कि इससे उन्हें न सिर्फ आर्थिक लाभ होगा, बल्कि उनके बच्चों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। किसानों का कहना है कि पहले डर था कि जमीन चली जाएगी और बदले में जो मिलेगा, वो पर्याप्त नहीं होगा, लेकिन अब स्थिति साफ हो गई है, और अब जब हमें 60% विकसित प्लॉट मिलने की गारंटी दी जा रही है, तो हम इस परियोजना का हिस्सा बनने को तैयार हैं। श्री राजेश राठौड़ ने कहा कि हमारा लक्ष्य किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए इस परियोजना को मूर्त रूप देना है। यह एक ऐसा मॉडल है, जिसमें किसान न केवल अपनी जमीन का उचित प्रतिफल प्राप्त करेंगे, बल्कि औद्योगिक विकास के साझेदार भी बनेंगे। इसलिए समय रहते अपनी सहमति दर्ज कराएं और इस ऐतिहासिक परिवर्तन का हिस्सा बनें। जिला प्रशासन द्वारा भी इस परियोजना को सफल बनाने के लिए तेजी से कार्रवाई की जा रही है। ग्राम रिजलाय में एसडीएम राऊ श्री गोपाल वर्मा ने एक अलग बैठक ली, जिसमें कई जमीन मालिक शामिल हुए। इस बैठक में सकारात्मक चर्चा हुई और किसानों ने परियोजना के प्रति उत्साह दिखाया। प्रशासन का यह प्रयास है कि हर किसान की सहमति बिना किसी दबाव के, उनकी मर्जी से ली जाए।

सहमति देने की प्रक्रिया

जमीन मालिक अपनी सहमति एमपीआईडीसी के क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर में जमा कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें निर्धारित प्रारूप में दस्तावेज जमा करने होंगे, जिसकी पावती उन्हें दी जाएगी। सहमति मिलने के बाद एमपीआईडीसी और राजस्व विभाग की टीम जमीन का भौतिक निरीक्षण करेगी और इसके आधार पर रजिस्ट्री एमपीआईडीसी के पक्ष में होगी। रजिस्ट्री से पहले किसानों को यह शपथ-पत्र देना होगा कि उनकी जमीन पर कोई विवाद या ऋण नहीं है। यदि जमीन पर ऋण है, तो संबंधित बैंक से नो-ड्यूज सर्टिफिकेट देना होगा। रजिस्ट्री के बाद किसानों को उनकी पात्रता के अनुसार भूखंड आरक्षित कर सूचित किया जाएगा और परियोजना पूरी होने पर इनका कब्जा और रजिस्ट्री उनके नाम होगी।

सरकार और प्रशासन का पूरा समर्थन

बैठक में महू विधायक सुश्री उषा ठाकुर ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों की हर मांग को पूरा किया है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि जमीन देने वाले किसानों को 60 फीसदी विकसित प्लॉट मिलेगा। यह योजना स्वर्णिम भारत के निर्माण का एक कदम है। उद्योगीकरण आज की जरूरत है और इसके जरिए हमारे युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसानों की छोटी-छोटी शंकाओं का समाधान करने के लिए प्रशासन और एमपीआईडीसी के अधिकारी हर कदम पर उनके साथ हैं। राऊ विधायक श्री मधु वर्मा भी इस मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने परियोजना को क्षेत्र के लिए अतिमहत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह परियोजना न सिर्फ क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि किसानों के लिए भी आर्थिक समृद्धि का नया द्वार खोलेगी।

जिस गांव में जमीन वहीं मिलेंगे प्लॉट

पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर 19.6 किलोमीटर लंबी और 75 मीटर चौड़ी सड़क के दोनों ओर 300-300 मीटर के बफर जोन में विकसित की जाएगी। इसमें 17 गांवों- नैनोद, कोर्डियाबर्डी, रिजलाय, बिसनावदा, नावदापंथ, श्रीरामतलावली, सिन्दोड़ा, सिन्दोड़ी, शिवखेड़ा (रंगवासा), नरलाय, मोकलाय, डेहरी, सोनवाय, भैंसलाय, बागोदा, धन्नड़ और टिही की कुल 1331 हेक्टेयर जमीन शामिल है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 2410 करोड़ रुपये है और इसे तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, जिससे विकास कार्य में कोई बाधा न आए। किसानों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि उन्हें अपनी जमीन के बदले 60% विकसित भूखंड मिलेंगे। ये भूखंड फ्री होल्ड होंगे, यानी किसान इनका पूरा मालिकाना हक रख सकेंगे। ये भूखंड यथासंभव उसी गांव में आवंटित किए जाएंगे, जहां उनकी मूल जमीन स्थित है। इससे किसानों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने का मौका मिलेगा और वे इन भूखंडों का उपयोग आवास, व्यवसाय या बिक्री के लिए कर सकेंगे।

इंदौर प्रेस क्लब का 63वां स्थापना दिवस, इंदौर का पत्रकारिता घराना विषय पर वरिष्ठजनों ने रखे विचार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर प्रेस क्लब के 63वें स्थापना दिवस पर 7, 8 और 9 अप्रैल को इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। आज सोमवार को इस पत्रकारिता महोत्सव की शुरूआत हुई। पत्रकारिता महोत्सव के पहले सत्र का विषय 'इंदौर का पत्रकारिता घराना' रहा। इस आयोजन में देशभर से पत्रकारिता, फोटोग्राफी और साहित्य जगत की अनेक हस्तियां शामिल हो रही हैं।

लिखने का सलीका सीखने को मिला

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि नई दुनिया के बगैर इंदौर के पत्रकारिता घराने की बात करना बेमानी है। वहां की पत्रकारिता सामाजिक सरोकारों से जुड़ी है। लिखने का सलीका सीखने को मिला। यहां की पत्रकारिता एक तपस्या के जैसी थी। हमने भी इंदौर में 9 सालों तक धुनी रमाई।

शब्दों के सितारे रहे इंदौर के पत्रकार

वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल ने कहा कि 'घराना' शब्द सिर्फ इंदौर के लिए ही इस्तेमाल होता है। इंदौर से दिल्ली गए पत्रकार शब्दों के सितारे रहे हैं। उन्होंने पत्रकारिता को नई ताकत दी है। उन्होंने बताया कि राजेंद्र माथुर कहा करते थे कि इंदौर की पत्रकारिता ने अपनी एक शैली बनाई और पत्रकारिता को नई धार दी। इंदौर से खिले फूल अपनी खुशबू के साथ राष्ट्रीय पत्रकारिता में मौजूद हैं।

घराने को अखबारों ने दी मजबूती- अमर उजाला समूह सलाहकार संपादक यशवंत व्यास ने कहा कि इंदौर की पत्रकारिता का अतीत भव्य किस्म का था। इंदौर का घराना सिर्फ इंसानों की बदौलत नहीं है, बल्कि यहां से निकले अखबारों ने इसे मजबूती दी। इंदौर की तासीर, यहां की गलियों चौराहों, भावनाओं से जो दृष्टि विकसित हुई, वही इस घराने में दिखती है।

पत्रकारिता की पहली सीढ़ी ही प्रूफ रीडिंग- अमर उजाला डिजिटल के संपादक जयदीप कर्णिक ने कहा कि इंदौर में पत्रकारिता की पहली सीढ़ी ही प्रूफ रीडिंग से होती है। इसलिए इंदौर का घराना कहलाता है। भाषिक संस्कार इंदौर की पत्रकारिता ने कायम रखे।

पत्रकारों ने बेबाकी से उठाए मुद्दे- शुभारंभ सत्र में सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर की पत्रकारिता शहर के विकास की आत्मा है। इंदौर के पत्रकारों ने विकास से जुड़े मुद्दों को बेबाकी से उठाया है। वहीं, प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि इंदौर के संपादक जब भी दिल्ली गए तो वे संपादक बनकर नहीं गए, पत्रकारिता को बदलने गए थे। इंदौर के पोहे जलेबी की बात होती है, लेकिन इंदौर के पत्रकारिता घराने की बात ज्यादा नहीं होती। पत्रकारिता महोत्सव के शुभारंभ सत्र में अतिथियों का परिचय प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन संजय पटेल ने किया। आभार प्रेस क्लब महासचिव हेमंत शर्मा ने माना।

AI से खुलेंगे अवसर, मौलिकता बरकरार रखें- जो लोग तकनीक का उपयोग अपने काम को बेहतर करने के लिए करते हैं वह भविष्य में बहुत तेजी से आगे बढ़ेंगे और जो तकनीक को नहीं सीखना चाहते वह पीछे रह जाएंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नौकरियां नहीं खा सकता। आपको तकनीक के इस दौर में मौलिकता को बरकरार रखना होगा और मौलिकता हमेशा ही जीवंत रहेगी।

शादी के एक महीने बाद पति ने दी जान, पत्नी मायके गई और मैनेजर ने यह दबाव बनाया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के लसूड़िया मोरी में रहने वाले 25 वर्षीय युवक आकाश चौहान ने सोमवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान आकाश चौहान के रूप में हुई है। यह घटना सुबह उस समय सामने आई जब आकाश की मां ने कमरे में उसका शव फंदे से लटका देखा। इसके बाद उसने तुरंत पति और छोटे बेटे को जानकारी दी, और परिवार में हड़कंप मच गया।

शादी और नौकरी में तनाव चल रहा था

आकाश की शादी एक महीने पहले देवकन्या नामक युवती से हुई थी, जो चापड़ा की रहने वाली है। हाल ही में देवकन्या अपने मायके गई हुई थी। आकाश लसूड़िया इलाके के एक पेट्रोल पंप पर काम करता था, लेकिन कुछ समय पहले उसके और पेट्रोल पंप के मैनेजर के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद आकाश ने काम पर जाना बंद कर दिया था। साथ ही, मैनेजर की ओर से लगातार कॉल आ रहे थे और पैसे के लेन-देन को लेकर उस पर दबाव भी बन रहा था।

आर्थिक तनाव और मानसिक दबाव

आकाश के पिता मोहन चौहान ने बताया कि शादी के बाद आकाश मुश्किल से दो दिन ही काम पर गया था। शादी के लिए उसने पेट्रोल पंप से कुछ रुपए एडवांस में लिए थे, और इसी लेन-देन को लेकर मैनेजर कुणाल के साथ उसका विवाद हुआ था। आकाश मानसिक रूप से तनाव में था और कुछ समय से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, जो उसकी आत्महत्या की वजह बन सकती है।

पढ़ाई करना चाहता था

परिवार में आकाश के पिता, मां, छोटा भाई और बड़ी बहन हैं। पिता के मुताबिक, आकाश ने दो साल पहले पढ़ाई छोड़ दी थी, लेकिन इस साल उसने फिर से पढ़ाई शुरू करने की इच्छा जताई थी और फर्स्ट ईयर का प्राइवेट फॉर्म भी भर लिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियानः विद्यार्थियों द्वारा दीवार लेखन एवं शपथ दिलाकर जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति किया जा रहा जागरूक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के तहत जल संरक्षण हेतु जनजागरूकता पहुँचाने के लिए नियमित कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। नागरिक द्वारा श्रमदान कर बावड़ी, कुँओं और तालाबों को संवार रहे हैं।

इसी सिलसिले में जिले के विकासखंड महू के मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्ययनरत सोशल वर्क के विद्यार्थियों द्वारा दीवार लेखन एवं जल संरक्षण हेतु शपथ दिलवाकर जागरूक किया जा रहा है। ग्राम विकास प्रस्फूटन समिति सिमरोल के सदस्यों ने भी जल संरक्षण की शपथ ली। जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समाज का हर वर्ग आगे आ रहा है। सभी अपने-अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं।

इंदौर जिले में सभी पटवारियों के हल्कों का किया जायेगा रेण्डमाईजेशन, कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में सभी पटवारियों के हल्कों का रेण्डमाईजेशन किया जायेगा। इससे सभी पटवारियों को नये हल्के मिलेंगे। यह रेण्डमाईजेशन एनआईसी के विशेष पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही जिले में समग्र आईडी के ईकेवायसी के कार्य को भी तेजी देते हुए शीघ्र पूरा किया जायेगा।

यह जानकारी आज यहाँ कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय सीमा के पत्रों की निराकरण (टीएल) की बैठक में दी गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्ये कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र रघुवंशी, श्री रोशन राय तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बैठक में राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, कार्यक्रम और गतिविधियों के क्रियान्वयन सहित अंतर्विभागीय समन्वय से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने तहसील क्षेत्रों में पटवारियों के हल्कों का नये सिरे से निर्धारण करें। यह रेण्डमाईजेशन एनआईसी के पोर्टल के माध्यम से करें। बैठक में उन्होंने समग्र आईडी की ईकेवायसी कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि इंदौर नगर निगम क्षेत्र में इस कार्य पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली सभी कार्यालयों में स्थापित करने के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस की सभी तैयारियाँ सभी विभाग पूर्ण कर ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य करना प्रारंभ करें। उन्होंने जिले में सीमांकन और आरआरसी वसूली पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आरआरसी के तहत सभी बकायादारों को नोटिस जारी किये जाये। सभी बकायादारों से वसूली करें। बकाया जमा नहीं करने वालों के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि धारणाधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त सभी आवेदनों का सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गत माह औसत से अधिक आवेदन प्राप्त हुए है, इसको देखते हुए निराकरण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

प्रभावी संवाद के लिए सुनना और समझना है जरूरी...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, अक्सर हम संवाद को कहे जाने वाले शब्दों से जोड़ कर देखते हैं। लेकिन यह महज शब्दों का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि यह तो दिल और दिमाग को जोड़ने की प्रि' या है। जी हाँ, प्रभावी संचार का अर्थ केवल सही शब्द बोलना नहीं है, बल्कि सामने वाले की भावनाओं और विचारों को समझना भी है। जब हम सच में किसी को सुनते हैं, तब ही एक सार्थक बातचीत संभव होती है।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

अक्सर माना जाता है कि संवाद का उद्देश्य अपने विचारों को व्यक्त करना है। लेकिन वास्तव में यह अधूरी धारणा है, हकीकत में तो संवाद दोतरफा प्रक्रिया है। जी हाँ! सही संवाद में केवल बोलने की नहीं, बल्कि सुनने की भी अहम भूमिका होती है। यदि हम सामने वाले को ध्यान से सुनते हैं और उसके विचारों को समझने का प्रयास करते हैं, तो ही संवाद अधिक प्रभावी और सार्थक बन पाता है। लेकिन अगर ऐसा संभव नहीं हो पाया तो कहीं और समझी गई बात के बीच गहरी खाई उत्पन्न हो जाती है। इसी बात को समझाते हुए ख़लील जिब्रान ने कहा है, 'जो कहा गया है और जो समझा गया है, उसमें और जो कहा नहीं गया है, लेकिन कहना चाहा गया है, उसमें अधिकतर प्रेम खो जाता है।' अर्थात् हम अपनी भावनाओं और विचारों को हमेशा शब्दों में पूर्ण रूप से व्यक्त नहीं हो पाते। कभी-कभी लोग अपने असली विचार या भावनाएँ छुपा लेते हैं या ठीक से व्यक्त नहीं कर पाते। ऐसी स्थितियों में यदि हम धैर्यपूर्वक सुनें और संवेदनशीलता से प्रतिक्रिया दें, तो हम संवाद को सार्थक बना सकते हैं। दोस्तों, इसलिए मैं हमेशा कहता हूँ, हर सफल बातचीत की शुरुआत एक अच्छे श्रोता से होती है। जब हम ध्यानपूर्वक सुनते हैं, तो हम न केवल शब्दों को बल्कि उनकी गहराई और भावनाओं को भी समझ पाते हैं। इससे सामने वाले को यह महसूस होता है कि उसकी बातों को महत्व दिया जा रहा है, जिससे रिश्ते मजबूत होते हैं। अगर आप संवाद कौशल में खुद को बेहतर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले खुद को एक अच्छा श्रोता बनायें क्योंकि एक अच्छा संवाद; सुनने वाले से शुरू होता है। इसके लिए आपको निम्न चार बातों को अपनाना होगा जो आपको सामने वाले से भावनात्मक रूप से जुड़ने में मदद करेगी-

1) बिना बाधा के सामने वाले को बोलने देना
2) बीच में टोकने से बचना
3) आँखों का संपर्क बनाए रखना
4) सहानुभूति और समझदारी दिखाना

इसके अतिरिक्त, संवाद के दौरान नकारात्मक बातों से बचें। जब आप नकारात्मक शब्दों का प्रयोग करते हैं या नकारात्मक भाव प्रदर्शित करते हैं या फिर किसी को नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं, तब आप स्वयं को ही कमजोर साबित करते हैं। याद रखिएगा, आलोचना करना और दूसरों की गलतियों को उजागर करना अक्सर सामने वाले को आहत करता है और अक्सर संबंधों में खटास भी लाता है। इसलिए ही कहा गया है, 'जब आप किसी और को बुरा दिखाने की कोशिश करते हैं, तब आप कभी भी अच्छे नहीं लग सकते। इसलिए दोस्तों, अपने शब्दों को चुनते समय सावधानी बरतें और हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आलोचना करने से बेहतर है कि रचनात्मक सुझाव दें और समस्या का समाधान निकालने की कोशिश करें। अंत में इतना ही कहना चाहूँगा कि संवाद का सार सिर्फ शब्दों में नहीं, बल्कि भावनाओं और समझ में छुपा होता है। जब हम अच्छे श्रोता बनते हैं, दूसरों की भावनाओं को समझते हैं और नकारात्मकता से बचते हैं, तो संवाद अधिक प्रभावी और सार्थक बन जाता है। इसके लिए हर बातचीत को एक अवसर के रूप में लें, जिसमें आप न केवल अपनी बात कह सकें, बल्कि दूसरों को भी समझ सकें। यही प्रभावी संचार की सच्ची कला है।

कॉलेजों में प्राचार्य एवं प्रोफेसरों को सार्थक ऐप में उपस्थिति अंकित कराना जरूरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग के सभी शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शैक्षणिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त आयुक्त डी.एस. रणदा, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. आर.सी. दीक्षित, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अजय वर्मा सहित संभाग के विभिन्न शासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त दीपक सिंह ने संभाग के सभी शासकीय कॉलेजों के प्राचार्य एवं प्रोफेसर को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपनी उपस्थिति सार्थक ऐप में अवश्य अंकित करायें। साथ ही वे संस्थान में रोजाना कितने घंटे कार्य कर रहे हैं, इसकी जानकारी भी सार्थक ऐप में दर्ज कराना सुनिश्चित करें। जो प्राचार्य, प्रोफेसर एवं कर्मचारी अध्यापन एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही बरतेंगे या शासकीय नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। संभागायुक्त सिंह ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अजय वर्मा को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि आज बैठक में जिन अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित नहीं हुए, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाये। संभागायुक्त सिंह ने अतिरिक्त संचालक डॉ. आर.सी. दीक्षित को कहा कि संभाग के सभी शासकीय कॉलेजों के ऐसे प्रोफेसरों की सूची बनायी जाये, जिनके मार्गदर्शन में शोधार्थी छात्र पीएचडी कर सकते हैं। जिन महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम नहीं है, वहाँ रिसर्च सेंटर बनाये जाये ताकि पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को सुविधा मिल सके।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

मंगलवार 8 अप्रैल, 2025

महानगर

इंदौर

3

चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले के देपालपुर क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी श्री आर.एम. त्रिपाठी द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र के तहत एक हितग्राही की मृत्यु होने पर परिजनों को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह सहायता फूलसिंह पिता किशनलाल की साँप काटने से हुई मृत्यु के पश्चात मृतक की पत्नी आवेदिका रेखाबाई को दी गई है।

इंदौर में एमआर-10 पर कुमेड़ी बस अड्डा बनकर तैयार अब वहां तक पहुंचने के लिए बन रही एमआर-4

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर विकास प्राधिकरण ने 40 करोड़ रुपये खर्च कर इंदौर के एमआर-10 पर कुमेड़ी में नया बस अड्डा तो बना दिया, लेकिन फिलहाल जो सड़क इस बस स्टेशन को जोड़ती है, वहां सुबह शाम ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है। यदि बस स्टेशन शुरू होता है तो चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा चौराहा और आईटीआई मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव और बढ़ जाएगा। इसे देखते हुए अभी स्टेशन पर बसों का संचालन शुरू नहीं किया जा रहा है। बस स्टेशन से दो रेलवे स्टेशन और एक बस स्टैंड को जोड़ने वाली एमआर-4 सड़क के निर्माण

पर फिलहाल नगर निगम फोकस कर रहा है।

कुमेड़ी बस स्टेशन की तरफ जाने के लिए सबसे बड़ा जंक्शन चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा चौराहा है। जहां सुबह और शाम कई बार यातायात बाधित होता है। कुमेड़ी बस स्टेशन इंदौर का सबसे बड़ा बस स्टेशन है। यहां 1500 बसों की आवाजाही होगी और 80 हजार यात्री प्रतिदिन यहां आएंगे। तब इस चौराहे पर वाहनों का दबाव और बढ़ेगा, लेकिन अफसर उसकी चिंता नहीं कर रहे है। यहां लोक परिवहन वाहन भी संचालित होंगे। उनके स्टैंड बनाने की व्यवस्था नहीं की गई। वे भी सड़कों पर खड़े होकर यात्रियों को बैठाएंगे। इससे और ज्यादा ट्रैफिक जाम होगा।

भागीरथपुरा बस्ती के 200 मकान बाधक

इस नए बस अड्डे से लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन और मुख्य रेलवे स्टेशन तक जाने के लिए नदी किनारे सड़क बनाई जा रही है लेकिन उसका अभी तक काम पूरा नहीं हुआ है। ट्रैफिक के जानकार अतुल शेठ बताते हैं कि कुमेड़ी बस स्टैंड पर प्रतिदिन 80 हजार यात्री अनुमानित हैं, लेकिन टिकट विंडो वहां पर सिर्फ 14 बनाई गई है, जबकि दूसरे तीन बस स्टैंडों की कुल विंडो 28 हैं, जबकि उनकी यात्री क्षमता 45 हजार प्रतिदिन है। नए बस अड्डे की आसान एप्रोच रोड जरूरी है। जो सड़क इस स्टेशन को जोड़ने के लिए बनाई जा रही है। वहां भागीरथपुरा बस्ती के 200 से ज्यादा मकान सबसे बड़ी बाधा है। उन्हें नोटिस दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक हटाया नहीं गया है।

घर लौट रहे आरक्षक को डंपर ने कुचला 20 फीट तक बाइक को घसीट कर ले गया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की स्कीम-136 में एक तेज रफ्तार डंपर ने ड्यूटी कर अपने घर लौट रहे पुलिस आरक्षक की जान ले ली। टक्कर के बाद बाइक डंपर के अगले पहिए में फंस गई और आरक्षक सहित बाइक को 20 फीट तक डंपर घसीटते हुए ले गया। लोगों ने डंपर को रुकवाया और बाइक में फंसे आरक्षक को निकालने की कोशिश की, लेकिन मौके पर ही आरक्षक की मौत हो चुकी थी। मौका देख चालक डंपर छोड़कर भाग गयाघटना इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र की है। एमआर 10 रोड को एमआर-11 से जोड़ने वाली लिंक रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही भी रहती है।

आरक्षक अजय शर्मा की ड्यूटी

देवास नाका चौराहे पर लगी थी। वह सुबह ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था। तभी यह हादसा हुआ। अजय के साथ आरक्षक चयन सिंह भी थे। दोनो अलग-अलग बाइक पर थे। अजय की गाड़ी को डंपर ने पीछे से टक्कर मारी थी। पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। रहवासियों को कहना है कि इस सड़क का एक हिस्सा घुमावदार है। वहां अक्सर हादसे होते है। मोड़ पर भारी वाहनों की गति नियंत्रित नहीं होती है और वे दूसरे वाहनों को टक्कर मार देते है। इंदौर के समीप पीथमपुर में बाइक पर सवार होकर जा रहे दंपत्ति की बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। दंपत्ति शिव मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे।

स्टार एयर की वापसी लेकिन उड़ानें अभी तक अधर में, यात्रियों को करना पड़ेगा इंतजार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में एक बार फिर से स्टार एयर की वापसी होने जा रही है, लेकिन नई फ्लाइट शुरू करने को लेकर कंपनी का रवैया थोड़ा सुस्त दिखाई दे रहा है। समर शेड्यूल, जो 30 मार्च से लागू हुआ है, उसमें स्टार एयर ने इंदौर से महाराष्ट्र के गोंदिया के लिए सीधी उड़ान शुरू करने के लिए स्लॉट बुक किया था। हालांकि, अब तक यह फ्लाइट शुरू नहीं की गई है। ऐसे में यह स्पष्ट हो रहा है कि इस उड़ान के लिए यात्रियों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा।

मई-जून तक शुरू हो सकती है उड़ान

माना जा रहा है कि स्टार एयर मई या जून के बीच इंदौर से गोंदिया के लिए अपनी सीधी उड़ान शुरू कर सकती है। दो साल पहले तक कंपनी केंद्र सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम 'उड़ान' के तहत इंदौर से किशनगढ़ और बेलगाम के लिए सीधी

उड़ानें संचालित कर रही थी, लेकिन कुछ कारणों के चलते इन उड़ानों को बंद कर दिया गया था। अब समर शेड्यूल में कंपनी ने दोबारा इंदौर से संचालन की दिशा में कदम बढ़ाया है।

इंदौर एयरपोर्ट से मिली उड़ान को मंजूरी

कंपनी ने इंदौर से गोंदिया के बीच सीधी उड़ान के लिए आवेदन किया था, जिसे इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन और डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) द्वारा मंजूरी भी मिल चुकी है। पहले स्टार एयर ने 30 मार्च से ही उड़ान शुरू करने के लिए स्लॉट लिया था, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक कंपनी ने न केवल उड़ान शुरू नहीं की है, बल्कि अपना ऑफिस भी इंदौर में शुरू नहीं किया है।

तैयारियों में जुटी है कंपनी की टीम

एयरपोर्ट अधिकारियों ने जानकारी दी कि हाल ही में कंपनी की एक टीम हैदराबाद से इंदौर आई थी। टीम ने इंदौर एयरपोर्ट पर बुकिंग काउंटर और बैंक ऑफिस के स्थान का निरीक्षण किया और इसके लिए आवेदन भी जमा किया है। कंपनी की योजना है कि एक से डेढ़ महीने के भीतर फ्लाइट शुरू कर दी जाएगी। इस फ्लाइट के शुरू होने से इंदौर और गोंदिया के बीच हवाई संपर्क एक बार फिर से बहाल हो जाएगा। गौरतलब है कि पहले इस रूट पर फ्लायबिग एयरलाइंस द्वारा उड़ान संचालित की गई थी, जो अब इंदौर से रीवा के बीच उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है।

विजयनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गिरफ्तार किए 3 युवक, लाखों की ड्रग्स बरामद

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के विजयनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से करीब 39 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई है, जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। इन तीनों युवकों पर पहले भी धोखाधड़ी, मारपीट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार किए गए युवकों के नाम अंकित पुत्र मोतीलाल कनासे (निवासी बड़खेड़ा बलवाड़ा), अंकुर पुत्र गोपाल पुरोहित (रेडियो कॉलोनी, आजाद नगर) और तन्मय पुत्र योगेश शर्मा हैं।

संदिग्ध हालत में गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, तीनों युवक बिजनेस पार्क इलाके में संदिग्ध

ड्रग्स का नेटवर्क तलाश रही पुलिस

फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह ड्रग्स उन्हें कहां से मिली और वे इसे किसे बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस की टीम इस मामले की गहरी जांच कर रही है, ताकि और भी अपराधियों का पदार्फाश किया जा सके। इस गिरफ्तारी से पुलिस ने न केवल ड्रग्स के व्यापार में संलिप्त आरोपियों को पकड़ा है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि ऐसे अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवस्था में एक गाड़ी से घूम रहे थे। जैसे ही उन्हें पुलिसकर्मियों ने देखा, वे भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार युवकों से पूछताछ के बाद कई महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। अंकित के खिलाफ पहले भी आजाद नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। जबकि अंकुर धोखाधड़ी के केस में गिरफ्तार हो चुका है और तन्मय पर छोटी ग्वालटोली थाने में मारपीट का आरोप है।

तीनों पर पहले से दर्ज हैं केस

पुलिस ने बताया कि इन तीनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। अंकित पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पहले ही दर्ज है, जो उसकी आपराधिक गतिविधियों को उजागर करता है। वहीं, अंकुर ने पहले भी धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम दिया था और तन्मय के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज है। इस प्रकार, ये सभी आरोपी पहले भी कानून के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहे हैं, जिससे उनका आपराधिक नेटवर्क स्पष्ट होता है।

एक ही पते पर संचालित दो खाद्य प्रतिष्ठान में पाई गई अनियमितताएं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के दल द्वारा विगत 22 नवम्बर 2024 को तिरूपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स, ग्राम बड़ियाकिमा, नेमावर रोड, इन्दौर का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ जैली एवं वेफर्स मैदा एवं खारी के 02 नमूने लिये गये थे, जिनमें से खाद्य पदार्थ वेफर्स मिथ्याछाप होना पाया गया था, जिसके आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है। उक्त पते पर ही परिसर के प्रथम तल पर संचालित फर्म तिरूपति कन्फेक्शनर्स का निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा किया गया था तथा मौके पर खाद्य पदार्थ खारी एवं मैदा के नमूने लिये गये थे, जिनमें से खाद्य पदार्थ मैदा खाद्य विश्लेषक, राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल द्वारा असुरक्षित घोषित किया गया था। खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा खाद्य पदार्थ मैदा की जांच रिपोर्ट के विरूद्ध अपील की गई थी जिसके अनुसार उक्त नमूने के द्वितीय भाग को पुनः जांच हेतु रेफरल लेब, पुणे भेजा गया था। रेफरल लेब की जांच रिपोर्ट द्वारा भी उक्त मैदा का नमूना असुरक्षित पाया गया है। उक्त लिये गये नमूनों तथा असुरक्षित खाद्य पदार्थ से सम्बंधित प्रकरण अभियोजन स्वीकृति हेतु कार्यालय आयुक्त, खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश की ओर प्रेषित किया जा रहा है। (खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा विगत 22 जनवरी 2025 को तिरूपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स का पुनः निरीक्षण किया गया। मौके पर वेफर्स का निर्माण किया जाना पाया गया जो कि, विशेषकर बच्चों द्वारा उपयोग किया जाता है। मौके पर परिसर में एक्सपायरी तिथि के फ्लेवर्स पाये गये थे।

चैक बाउंस के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु पांच विशेष न्यायालय गठित

इंदौर। इंदौर न्यायालय मुख्यालय पर चैक अनादरण के लगभग 50 हजार प्रकरण लंबित होने पर उनके शीघ्र निराकरण हेतु पांच विशेष न्यायालय गठित किये गये हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय इंदौर के सचिव ने बताया कि इंदौर जिला मुख्यालय पर चैक अनादरण के मामलों में अत्यधिक बढ़ोत्तरी होने के कारण उनके शीघ्र निराकरण हेतु रजिस्ट्री के निर्देशानुसार पांच विशेष न्यायालय गठित किये गये हैं। जिससे चैक बाउंस के प्रकरणों के शीघ्र निराकरण में तेजी आयेगी। गठित विशेष न्यायालय में श्रीमती साक्षी कपूर-पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड इंदौर, भूपेन्द्र तिवारी-नवम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड इंदौर, सुश्री हर्षिता सिंगार-दशम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड इंदौर, पंकज श्रीवास्तव-तेरहवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड इंदौर और मोहित रघुवंशी-सोलहवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड इंदौर शामिल हैं। इन न्यायाधीशगण के न्यायालय को विशेष न्यायालय नामित किया गया है।

अप्रैल में ही तपिश का कहर, इंदौर 40 डिग्री पार!

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर भोपाल समेत मप्र के कई शहरों में अप्रैल के पहले सप्ताह में ही गर्मी ने भीषण दस्तक दे दी है। दोपहर के समय, विशेष रूप से 12 बजे से 4 बजे तक, गर्मी का प्रभाव अधिक महसूस किया जा रहा है। सोमवार को दिन का तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक था। वहीं रविवार को तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था। रविवार की रात का तापमान भी सामान्य से 3 डिग्री अधिक यानी 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है। अप्रैल की शुरूआत में ही मौसम के इस बदले रूप से यह संकेत

मिलते हैं कि इस बार गर्मी का असर पहले से अधिक तेज और लंबे समय तक रहेगा।

नर्मदापुरम में 44.3 डिग्री और रतलाम में 44 डिग्री

मध्यप्रदेश में ओले-बारिश का सिस्टम खत्म होते ही दिन के साथ रातें भी गर्म होने लगी हैं। सोमवार को मध्यप्रदेश के लगभग सभी शहरों में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। नर्मदापुरम और रतलाम में पारा 44 डिग्री या इसके पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, नर्मदापुरम में 44.3 डिग्री और रतलाम में 44 डिग्री सेल्सियस रहा। सीजन में पहली बार भोपाल-इंदौर समेत सभी पांच बड़े शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। भोपाल में 41.6 डिग्री, इंदौर में 40.6 डिग्री, ग्वालियर में 41.7 डिग्री, उज्जैन में 42 डिग्री और जबलपुर में पारा 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी प्रकार गुना में 43 डिग्री, सागर में 42.6 डिग्री, धार में 42.4 डिग्री, मंडला में 42.2 डिग्री, शाजापुर में 42.1 डिग्री, दमोह-खजुराहो में 42 डिग्री, टीकमगढ़ में 41.5 डिग्री, सतना-सिवनी में 41 डिग्री, रायसेन में 40.8 डिग्री, उमरिया में 40.4 डिग्री, खरगोन में 40.2 डिग्री, खंडवा-नौगांव में 40.1 डिग्री और मलाजखंड-बैतूल में पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को दिन के तापमान में और भी बढ़ोतरी होगी। इससे पहले रविवार-सोमवार की दरमियानी रात की बात करें तो सागर में तापमान सबसे ज्यादा 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम में बदलाव का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से सक्रिय रहा ओले और बारिश का सिस्टम अब आगे बढ़ चुका है। अब राजस्थान से सटे जिलों में हीट वेव यानी लू का असर दिखाई देने लगेगा। 8 अप्रैल को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के सक्रिय होने की संभावना जताई गई है, जिससे पूर्वी क्षेत्रों में मौसम में बदलाव हो सकता है।

किसानों को गेहूं खरीदी का भुगतान समय पर किया जाये :- संभागायुक्त

दीपक सिंह की अध्यक्षता में गेहूं उपार्जन के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में गेहूं उपार्जन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त् आयुक्त डी.एस. रणदा, जिला खाद्य नियंत्रक एम.एल. मारू, मण्डी बोर्ड की संयुक्त संचालक श्रीमती प्रवीण चौधरी, कृषि विभाग से श्रीमती नम्रता गुरनानी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त सिंह ने इंदौर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी, भण्डारण, परिवहन आदि की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गेहूं खरीदी केन्द्र पर सभी आवश्यक इंतजाम रखें। सभी किसान 9 अप्रैल तक अपना पंजीयन करा लें, यह सुनिश्चित करें। बैठक में श्री सिंह कहा कि किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गये गेहूं का भुगतान समय पर किया जाना भी सुनिश्चित किया जाये। खरीदे गये गेहूं का तत्काल परिवहन करते हुए सुरक्षित भण्डारण किया जाये। परिवहन व्यवस्था की रोजाना मॉनीटरिंग करें। गेहूं खरीदी केन्द्रों पर आने वाले सभी किसानों के लिये पेयजल, शौचालय, छाया आदि आवश्यक एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायें।

देशभर में रिकार्ड 48 हजार मेडिटेशन कार्यक्रम कर बनाया कीर्तिमान

आबूरोड/ इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय शांतिवन में चल रही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सोमवार को संस्थान की सालभर की सेवाओं की रिपोर्ट पेश की गई। संस्थान द्वारा वर्ष 2024-25 में भारतभर में 48863 कार्यक्रम धर्म, संस्कृति, अध्यात्म, योग, यौगिक खेती, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और यातायात जागरुकता को लेकर आयोजित किए गए। राजयोग एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के तहत संचालित मेडिकल विंग द्वारा सबसे ज्यादा 12119 कार्यक्रम आयोजित किए गए। नशामुक्त भारत अभियान के तहत देश के स्कूल-कॉलेज, यूनिवर्सिटी, जेल और सामाजिक संस्थाओं में 8528 कार्यक्रमों के साथ नया रिकार्ड बनाया गया।

अतिरिक्त महासचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने बताया कि बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग

राजयोग से दें विश्व को शांति का दान

इस दौरान पंजाब जोन की निदेशिका बीके प्रेम दीदी ने कहा कि देश-दुनिया के हालात को देखते हुए सभी भाई-बहनों राजयोग ध्यान से दुनिया को शांति, प्रेम के बाइब्रेशन का दान जरूर करें। मैसूर सबजोन की निदेशिका बीके लक्ष्मी दीदी ने कहा कि निश्चय में ही विजय समाई हुई है। परमात्मा पर संपूर्ण निश्चय ही सफलता दिलाता है। युवा प्रभाग की उपाध्यक्षा व महादेवनगर अहमदाबाद सबजोन की निदेशिका बीके चंद्रिका दीदी ने कहा कि सदा स्वयं के प्रति, साथियों, कार्य और विश्व के प्रति संपूर्ण सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। हुबली के गीता विशेषज्ञ बीके वसबराज राजऋषि ने गीता कार्यक्रम की रिपोर्ट पेश की। सुबह के सत्र में इंदौर जोन की निदेशिका बीके हेमलता दीदी, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बीके सरला दीदी ने व्यर्थ चिंतन से मुक्त रहकर अपनी स्थिति ज्ञान स्वरूप बनाने की प्रेरणा दी।

दिवस को देश-विदेश में व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। साथ ही 21 दिसंबर विश्व ध्यान दिवस पर भी बड़े-बड़े शहरों में मेगा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि भारत के प्राचीन योग का संदेश जन-जन तक पहुंच सके। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी व राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी, अतिरिक्त महासचिव बीके करुणा भाई ने सेवा रिपोर्ट सेवांजली का विमोचन किया।

पूरे गुजरात में निकाली जाएगी शांति यात्रा

नवंबर माह में पूरे गुजरात में एक साथ ब्रह्माकुमारीज के 500 सेवाकेंद्रों और पांच हजार पाठशालाओं से एक ही समय पर शांति यात्रा निकाली जाएगी। इन यात्राओं में एक लाख से अधिक भाई-बहनें शामिल होकर रिकार्ड बनाएंगे। यात्रा का मकसद विश्व और समाज को शांति, प्रेम का संदेश देना है। वहीं विश्व ध्यान दिवस पर अहमदाबाद में वर्ल्ड मेडिटेशन फॉर ग्लोबल पीस मेगा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें 60 हजार लोग शामिल होंगे। सभी योग के माध्यम से पूरे विश्व में शांति के प्रकम्पन फैलाएंगे। बीके सुप्रिया बहन ने बताया कि शिक्षा प्रभाग द्वारा इस वर्ष बच्चों के लिए लीडरशिप विथ इनिटिटिव अवेयरनेस प्रोग्राम चलाया जाएगा। इसके तहत स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों में नेतृत्व विकास के लिए प्रेरक क्लास कराई जाएगी। उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को काउंसलिंग के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

7वीं इंटरनेशनल हाफ मैराथन 19 अगस्त को-

मीटिंग में बीके भानू भाई व बीके सचिन भाई ने बताया कि 7वीं दादी प्रकाशमणि माउंट आबू इंटरनेशनल हाफ मैराथन आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर से 3500 से अधिक धावक भाग लेंगे। इस बार सभी धावकों का माइंड पावर बढ़ाने के लिए दो दिन की मेडिटेशन रिट्रीट भी रखी गई है। जो 16 से 19 अगस्त तक चलेगी।

एमपी में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, खारिज की एसएलपी

भोपाल ■

एमपी में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण पर बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने यूथ आफ इक्वलिटी द्वारा दायर की गई स्पेशल लीव पिटीशन खारिज कर दी है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि शिवम गौतम बनाम सरकार के मामले में कोई स्टे नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर कोई कानूनी रोक नहीं है। देश की शीर्ष कोर्ट के इस फैसले के साथ ही एमपी के ओबीसी आरक्षित वर्ग के लिए 27 फीसदी आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने बहुचर्चित ओबीसी आरक्षण मामले में दिल्ली में सुनवाई की। कोर्ट ने यूथ फॉर इक्वलिटी की

एसएलपी खारिज कर दी। सरकार की ओर से कोई हाजिर नहीं हुआ, लिहाजा यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका खारिज कर दी गई।

27 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ

इस मामले में हाईकोर्ट भी यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका खारिज कर चुका है। हाईकोर्ट ने 28 जनवरी को दो याचिकाएं खारिज की थीं। यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण के सर्कुलर को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट में लगी एसएलपी खारिज कराने के लिए ओबीसी एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन ने अपना पक्ष दमदारी से रखा। यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका खारिज होने के साथ ही एमपी में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ हो गया है।

ओबीसी को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण

एमपी में कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार द्वारा ओबीसी को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया गया था। 2019 में लिए गए इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका लगाई गई थी जिसे खारिज कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में यह एसएलपी यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन द्वारा दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एमपी हाईकोर्ट के आदेश को उचित बताते हुए स्पष्ट किया कि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण में कोई न्यायिक अड़चन नहीं हैं। गौरतलब है कि फरवरी माह में ही एमपी हाईकोर्ट जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैथ और न्यायाधीश विवेक जैन की युगलपीठ ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण के कानून का पालन करने का आदेश दिया था। पीठ ने यह भी कहा था कि 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर किसी प्रकार की रोक नहीं है।

आरक्षण पर कोई कानूनी रोक नहीं

यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका पर महत्वपूर्ण सुनवाई में मध्यप्रदेश सरकार की ओर से पक्ष प्रस्तुत करने कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं हुआ। इससे सरकार द्वारा मामले को जानबूझकर लटकाने की कोशिश करने की आशंका उत्पन्न हुई। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने न केवल याचिका को खारिज कर दिया बल्कि ये भी साफ कर दिया है कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण पर कोई कानूनी रोक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने मामले की सुनवाई की। एडवोकेट वरुण ठाकुर एवं एडवोकेट रामकरण ने ओबीसी महासभा की ओर से पक्ष रखा। ओबीसी महासभा ने सुप्रीम कोर्ट में यह केस लड़ने के लिए समुदाय ये एक-एक रुपए एकत्रित किए थे।

सोहेल ने राहुल बनकर की शादी, मंदिर में मांग भरकर भरोसा दिलाया और किया दुष्कर्म

भोपाल ■

राजधानी में एक बार फिर से लव जिहाद का मामला सामने आया है। सोहेल नाम के युवक ने राहुल शर्मा नाम से इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी बनाई और एक हिंदू लड़की से दोस्ती कर ली। नजदीकियां बढ़ने के बाद उसने अपना मूल नाम व धर्म छिपाते हुए युवती को मंदिर ले जाकर मांग में सिंदूर भरा और शादी का भरोसा दिया। इसके पूर्व घुमाने ले जाने के बहाने उसने युवती के साथ दुष्कर्म भी कई बार किया। लोगों को जब आरोपी युवक की असलियत पता चली तो पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी जोन-2 संजय अग्रवाल ने बताया कि युवती मूलतः छत्तीसगढ़ की रहने वाली है। यहां पर वह कटारा हिल्स इलाके में रहती है। करीब तीन माह पूर्व युवती की दोस्ती इंस्टाग्राम पर राहुल शर्मा नामक युवक से हुई। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। युवक विदिशा से भोपाल आ गया। वह नादरा बस स्टैंड के पास किराए का कमरा लेकर रह रहा था और पुताई का काम करने लगा था। कुछ दिन पूर्व युवक ने युवती पर शादी का दबाव बनाया। युवती ने मना किया तो उसने चैटिंग वायरल करने की धमकी दी। इससे डरी युवती उसकी बातों में आ गई। तीन दिन पहले तीनों ने कटारा हिल्स के एक मंदिर में दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद युवती को पता चला कि वह अपना धर्म छिपाकर ऐसा कर रहा है। युवती के परिजनों ने आरोपी से दस्तावेज मांगे, तब जाकर लव जिहाद का खुलासा हुआ। परिजनों ने सख्ती से पूछताछ की। तब युवक ने बताया कि वह विदिशा का है और उसका नाम सोहेल खान है। परिजनों ने बजरंग दल पदाधिकारियों को सूचना दी। वे युवक को थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दमोह 8 मरीजों की मौतः कांग्रेस ने फर्जी डॉक्टर पर हत्या का केस दर्ज करने और 1-1 करोड़ मुआवजा देने की मांग की

भोपाल ■

मध्य प्रदेश के दमोह में मिशन अस्पताल में फर्जी डॉक्टर के ऑपरेशन करने से सात मरीजों की मौत हो गई। इस मामले में सरकार भी एक्शन मोड में है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य विभाग को फर्जी डॉक्टरों को चिन्हित करने अभियान चलाने की बात कही है। वहीं, इस मामले में अब कांग्रेस सरकार पर हमलावर है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रवि सक्सेना ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को लेकर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने सोमवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश में

स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यधिक खराब हो चुकी हैं, जिससे जनता की जान खतरे में है। उन्होंने दमोह जिले के फर्जी डॉक्टर मामले में सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

सक्सेना ने कहा कि दमोह के मिशनरी अस्पताल में नरेंद्र विक्रमादित्य यादव नामक शख्स ने डॉ. एनजॉन केम के नाम से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हासिल की। उसने जनवरी-फरवरी 2025 में 15 से ज्यादा हार्ट सर्जरी कीं, जिनमें से 8 मरीजों की मौत हो चुकी है। जांच में पता चला कि उसकी डिग्री और अनुभव पूरी तरह फर्जी थे। अस्पताल प्रबंधन ने बिना किसी पृष्ठभूमि जांच के उसे मरीजों की जिंदगी सौंप दी. जो अपने आप में गंभीर लापरवाही का सबूत है। आरोपी के फरार होने से सवाल और गहरा गया है कि क्या प्रभावशाली लोग इस मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं? उन्होंने सरकार से फर्जी डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने और सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही पीड़ितों को एकएक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की उदासीनता के कारण फर्जी डॉक्टरों और अवैध अस्पतालों का चलन बढ़ा है। उन्होंने याद दिलाया कि 2019 में कांग्रेस सरकार ने फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी, लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह अभियान ठंडे बस्ते में चला गया। इसके साथ ही, सक्सेना ने अमानक दवाओं के बढ़ते मामलों, आयुष्मान योजना में फजीवाड़े और दवा खरीदी में घोटाले का भी जिक्र किया, जो जनता की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं। सक्सेना ने स्वास्थ्य सूचकांक में मध्यप्रदेश के 17वें स्थान पर गिरने को भी सरकार की नाकामी का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डॉक्टरों की कमी और घटिया दवाओं के चलते जनता का जीवन खतरे में है।

रसोई गैस के दाम बढ़ाने पर कमलनाथ ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, बोले-आम आदमी की पीड़ा का उड़ाया मजा

भोपाल ■

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने केंद्र सरकार पर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी करने पर निशाना साधा है। कमलनाथ ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपया की वृद्धि कर केंद्र सरकार ने आम आदमी पर महँगाई का चाबुक चलाया है। भोपाल में अब सिलेंडर की कीमत 858.50 रुपये हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही रसोई का बजट आसमान छू रहा था, दाल, सब्ज़ियों, खाद्य तेल, आटा

और राशन का दूसरा सामान पहले से ही महंगा है। अलग अलग संस्थाओं की रिपोर्ट बताती है कि बढ़ी हुई महंगाई के कारण लोग कर्ज.के बोझ में डूबते जा रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई लिखाई तक का खर्च नहीं उठा पा रहे।ऐसे में सरकार को महँगाई में राहत देने का कोई कदम उठाना चाहिए था। लेकिन राहत देने के बजाय सरकार ने गैस सिलेंडर महँगा करके आम आदमी की पीड़ा का मजाक उड़ाया है। कमलनाथ ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को तत्काल बढ़ी हुई कीमतें वापस लेनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केंद्र सरकार को याद दिलाना चाहता हूं कि केंद्र में जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी तो गैस सिलेंडर पर सब्सिडी दी जाती थी। वर्तमान सरकार ने जानबूझकर सब्सिडी समाप्त की और धीरे धीरे गैस सिलेंडर के दाम आसमान पर पहुँचा दिये। यह पूरी तरह से जन विरोधी कदम है।

शिवराज की बहू अमानत की राजनीति में एंट्री

सीहोर ■

मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की बहू अमानत चौहान की राजनीति में एंट्री हो गई है। शिवराज के बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की पत्नी अमानत भाजपा के स्थापना दिवस पर बुधनी विधानसभा के भैंरूदा में भाजपा के स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुई।

बेटी के रूप में अमानत करेंगी जनता की सेवा

अमानत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा मेरे पिता तुल्य केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इस क्षेत्र की ही नहीं, बल्कि देश की सेवा राजनीति के माध्यम से कर रहे हैं. उन्हें क्षेत्र की जनता ने असीम प्यार और दुलार दिया

है। इसके लिए वह सभी क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मैं पहली बार भैरूंदा की धरती पर आई हूं। इस मौके पर जो स्वागत सत्कार आप लोगों ने किया है, उससे मैं अभिभूत हूं। साथ ही कहा कि कार्तिकेय जी की पत्नी व क्षेत्र की बेटी व बहू के रूप में जनता की सेवा करने का प्रयास करूंगी। इस कार्यक्रम के बाद से राजनीति गलियारों में चचाएं तेज हो गई हैं कि अमानत आने वाले समय में परिवार के उत्तराधिकारी के रूप में क्षेत्र की राजनीतिक जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। ऐसी चचाओं के पीछे अमानत का मंच पर दिया गया वक्तव्य बता रहा है। जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि वह आने वाले समय राजनीतिक कमान संभालेंगी।

बुधनी क्षेत्र को परिवार मानते हैं शिवराज

शिवराज सिंह चौहान बुधनी-भैरूंदा क्षेत्र को अपना परिवार मानते हैं। इसका जिक्र वह कई बार सार्वजनिक मंचों पर कर चुके हैं। जब शिवराज सिंह चौहान विदिशा लोकसभा से चुनाव लड़े थे। उस चुनाव की बागडोर बेटे कार्तिकेय ने ही संभाली थी। कार्तिकेय बुधनी क्षेत्र में हमेशा एक्टिव रहते आए हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,लोक स्वास्थ्य यांत्रीकिय विभाग
मैकेनिकल खण्ड, इंदौर,
फेक्स नं. 2459300 फोन नं. 24516230-mail-eephemindore@gmail.
क्रमांक 370 / तक / का.यं. / मेके. खंड, / 2025 इंदौर दिनांक 05/04/25

विषय अनुपयोगी एवं पुरानी सामग्री विक्रय
हेतु ऑनलाईन निलामी आमंत्रण सूचना क्रमांक 03 / 2025-26

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम निम्नानुसार स्टोर एवं मशीनरी के अनुपयोगी एवं पुरानी सामग्री के निलामी हेतु प्रपत्र जी का ऑनलाईन डिजिटल हस्ताक्षर कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मैकेनिकल खण्ड इंदौर द्वारा निम्न विवरण अनुसार स्टोर एवं मशीनरी के अनुपयोगी एवं पुरानी सामग्री कि नीलामी हेतु ऑनलाईन में आरक्षित मूल्य से उच्चतम मूल्य प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन खुली निलामी आमंत्रण की जाती है।

सामग्री	विवरण
निलामीकर्ता	Office of the Executive Engineer P.H.E. Mechanical Division Indore.
E-AUCTION DATE	21-04-2025
AUCTION START TIME	10.30 AM
AUCTION END TIME	17.30 PM.
NO. OF EXTENSIONS	Unlimited
DURATION OF EACH EXTENSION	10 Minutes
INSPECTION	11.00 upto 17.00 (04/04/25 to 17/04/25)
Scrap and unusable material LOCATION	Office of the Assistant Engineer P.H.E. Mechanical Sub-Division, Jhabua, KishanPuri Jhauba
UPSET PRICE	Rs. 1347200/-
EMD	Rs. 26944/-
LAST DATE OF SUBMISSION	Date 18/04/2025 Time 17-30
E-AUCTION NO	2025_PHED_81

Executive Engineer
P.H.E.D. Mech Division
Indore

G-11293/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,लोक स्वास्थ्य यांत्रीकिय विभाग
मैकेनिकल खण्ड, इंदौर,
फेक्स नं. 2459300 फोन नं. 24516230-mail-eephemindore@gmail.
क्रमांक 368 / तक / का.यं. / मेके. खंड, / 2025 इंदौर दिनांक 05/04/25

विषय अनुपयोगी एवं पुरानी सामग्री विक्रय
हेतु ऑनलाईन निलामी आमंत्रण सूचना क्रमांक 01 / 2025-26

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम निम्नानुसार स्टोर एवं मशीनरी के अनुपयोगी एवं पुरानी सामग्री के निलामी हेतु प्रपत्र जी का ऑनलाईन डिजिटल हस्ताक्षर कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मैकेनिकल खण्ड इंदौर द्वारा निम्न विवरण अनुसार स्टोर एवं मशीनरी के अनुपयोगी एवं पुरानी सामग्री कि नीलामी हेतु ऑनलाईन में आरक्षित मूल्य से उच्चतम मूल्य प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन खुली निलामी आमंत्रण की जाती है।

सामग्री	विवरण
निलामीकर्ता	Office of the Executive Engineer P.H.E. Mechanical Division Indore.
E-AUCTION DATE	21-04-2025
AUCTION START TIME	10.30 AM
AUCTION END TIME	17.30 PM.
NO. OF EXTENSIONS	Unlimited
DURATION OF EACH EXTENSION	10 Minutes
INSPECTION	11.00 upto 17.00 (04/04/25 to 17/04/25)
Scrap and unusable material LOCATION	Office of the Assistant Engineer P.H.E. Mechanical Sub-Division, Barwani, Hanuman tekari Sehgaow Barwani
UPSET PRICE	Rs. 385000/-
EMD	Rs. 7700/-
LAST DATE OF SUBMISSION	Date 18/04/2025 Time 17-30
E-AUCTION No.	2025_PHED_79

Executive Engineer
P.H.E.D. Mech Division
Indore

G-11292/25

आपसी संवाद, जनता की जागरूकता से खत्म होगा नक्सलवाद !

हाल ही में 5 अप्रैल 2025 को दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम महोत्सव में समापन समारोह के दौरान हमारे देश के केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने यह बात कही है कि अगली चैत्र नवरात्रि तक बस्तर से लाल आतंक समाप्त हो जाएगा।इस दौरान उन्होंने

सुनील कुमार महला
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

बस्तर की खुशहाली की कामना की। पाठकों को बताता चलूं कि उन्होंने उन्होंने कहा कि 'बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। नक्सलियों से अपील है कि वे आत्मसमर्पण करें। नक्सलियों को सरेंडर कराकर गांवों को नक्सल मुक्त कराइये। हर गांव को एक करोड़ मिलेगा।' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि 'बस्तर पंडुम को अंतरराष्ट्रीय दर्जा देने के लिए दुनियाभर के राजदूत जो राजधानी में हैं, उनको बस्तर में लाकर हमारी परंपराओं को, संस्कृति को और आदिवासी बच्चों की कला को पूरे विश्व में पहुंचाने का काम सरकार करेगी।' वास्तव में,गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों से यह कहा है कि 'आप सब हमारे अपने हैं और आप हथियार डाल कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। जब कोई नक्सली मारा जाता है, तो कोई भी खुश नहीं होता।'बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज नक्सलवाद हमारे देश और समाज के लिए एक बड़ी समस्या है, लेकिन अच्छी बात यह है कि मार्च, 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह द्वारा नक्सलमुक्त घोषित गांवों को एक करोड़ रुपये की विकास निधि देने तथा नक्सलियों की सुरक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था सरकार द्वारा सुनिश्चित करने की बात यह स्पष्ट दशार्ती है कि सरकार विकास को तवज्जो देकर नक्सलवाद को खत्म करने की ओर लगातार अग्रसर है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले ही मार्च के अंतिम सप्ताह में ही छत्तीसगढ़ में 50 नक्सलियों ने सरेंडर किया था, उसके बाद सुरक्षाबलों ने एक साथ 13 नक्सलियों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार कुल दो जगहों से नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई। जिले के उसूर थाना क्षेत्र के टेकमेटला गांव के पास जंगल से सात नक्सलियों को पकड़ा गया, जबकि बासागुड़ा थाना क्षेत्र से छह नक्सलियों को पकड़ा गया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक एक्स पोस्ट में यह बात कही थी कि , 'नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान के दौरान 16 नक्सलियों को ढेर कर दिया और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता; केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है।' वास्तव में नक्सलवाद का समूह नाश करने के पीछे सरकार का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कितनी अच्छी बात है कि आज सरकार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा के समाज में वापस लौटने में सहायता के लिये वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामाजिक पुनर्एकीकरण कार्यक्रम प्रदान कर रही है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 (वर्ष 2014) से घटकर मात्र 12 (वर्ष 2024) रह गई है। आंकड़े बताते हैं कि नक्सल-संबंधी घटनाएँ 16,463 (वर्ष 2004-2014) से घटकर 7,700 (वर्ष 2014-2024) हो गई हैं तथा नक्सलवाद के कारण सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या में 73% की कमी आई है, जबकि नागरिक हताहतों की संख्या में 70% की कमी आई है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि नक्सलवाद, माओवादी

विचारधारा से प्रेरित वामपंथी उग्रवाद का एक रूप है, जो सशस्त्र विद्रोह (हिंसा और गुरिल्ला युद्ध) के माध्यम से राज्य को समाप्त करने का प्रयास करता है। यदि हम नक्सलवाद की उत्पत्ति की बात करें तो नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गाँव से हुई है, जहाँ वर्ष 1967 में शोषक जमींदारों के खिलाफ किसानों का विद्रोह हुआ था। नक्सलवाद के कारणों की बात करें तो यह असमान भूमि वितरण और जमींदारों, साहूकारों एवं बिचौलियों द्वारा शोषणकारी प्रथाओं के कारण बढ़ा।नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और रोजगार के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव भी कहीं न कहीं नक्सलवाद का कारण बना। नक्सलवाद के पीछे जनजातीय अलगाव भी एक प्रमुख कारण रहा है। इतना ही नहीं, सरकारी तंत्र अनुपस्थिति, बुनियादी सेवाओं की कमी, तथा हिरासत में मृत्यु सहित पुलिस की ज्यादतियों के मामलों ने शिकायतों को और बढ़ा दिया है, जिससे नक्सली विद्रोह को मजबूती मिली। पाठकों को बताता चलूं कि माओवाद का आदर्श वाक्य, 'शक्ति बंदूक की नली से निकलती है' रहा है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज सरकार द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आर्थिक असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सामाजिक न्याय, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए काम किया जा रहा है,बेरोजगारी,गरीबी को दूर किया गया है। नक्सलवाद की समाप्ति के लिए ऑपरेशन ग्रीन हंट(वर्ष 2009-10),ऑपरेशन समाधान(वर्ष 2017) चलाए गए और वर्तमान में भी अनेक अभियान जारी हैं।सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसे केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। इतना ही नहीं,सलवा जुडूम की शुरूआत छत्तीसगढ़ में वर्ष 2005 में माओवादियों के खिलाफ सरकार द्वारा समर्थित 'लोगों के प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में हुई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि दंतेवाड़ा और बस्तर के आदिवासियों की गोंडी भाषा में, सलवा जुडूम का मतलब शांति मार्च होता है। लेकिन असल में, इसमें माओवादियों से लड़ने के लिए अधिकारियों द्वारा आदिवासी ग्रामीणों को हथियार दिए गए थे। बहरहाल, गौरतलब है कि श्री शाह के बस्तर प्रवास के दरम्यान छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने हैदराबाद में सामूहिक समर्पण किया है ,जिनमें बीस नक्सल महिलाएं भी शामिल हैं। ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से वर्ष 1967 में शुरू किसानों के विद्रोह को नक्सलवाद कहा गया था और इसमें शामिल लोगों को नक्सलवादी या नक्सल कहा जाने लगा। कहना गलत नहीं होगा कि वास्तव में इनको मुख्यतया वामपंथी आंदोलनों से जोड़ा जाता रहा है, जो कि माओवादी राजनीतिक विचारधारा का पालन करते हैं। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार के अनुसार देश में नक्सल प्रभावित जिले सत्रह से घट कर छह रह गए हैं और छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड और ओडिशा में इनकी(नक्सलवाद) की जड़ें फैली हुई हैं। गौरतलब है कि बिहार के दो जिले बांका और पश्चिमी चंपारण (बगहा) को नक्सल प्रभाव से मुक्त जिला घोषित कर दिया गया है।अब राज्य के आठ जिले ही उनके(नक्सलवाद) प्रभाव वाले रह गए हैं, जिनमें क्रमशः औरंगाबाद, गया, मुंगेर, जमुई, कैमूर, नवादा, लखीसराय और रोहतास शामिल हैं। पाठकों को बताता चलूं कि गया का इमामगंज बिहार का अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था। दरअसल, नक्सली समय-समय पर सरकार के प्रति नाराजगी और बुनियादी जरूरतों की विभिन्न मांगों को लेकर उग्र प्रदर्शन करते रहे हैं। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि नक्सलवाद आज धीरे-धीरे समाप्ति की ओर है और आने वाले समय में देश इस समस्या से छुटकारा पा लेगा। कहना गलत नहीं होगा कि नक्सली घटनाओं को रोकने के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देकर विकास को बढ़ावा देना चाहिए। दूसरे शब्दों में कहना गलत नहीं होगा कि नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां शिक्षित और सक्षम हो सकें। इतना ही नहीं,जनजातीय समुदायों के अधिकारों की रक्षा के साथ ही साथ उनके साथ संवाद(बातचीत का रास्ता)स्थापित करना बहुत ही आवश्यक है। इसके साथ ही, सुरक्षा बलों को सुदृढ़ करते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। पारदर्शी शासन और स्थानीय भागीदारी के माध्यम से नक्सलवाद पर स्थायी नियंत्रण संभव है। हिंसक गतिविधियों को रोकने के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन आवश्यक है। नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना अति आवश्यक है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण होगा तो कोई दोराय नहीं कि नक्सलवाद की समस्या पर लगाम नहीं लगाई जा सके। नक्सलियों का पुनर्वास, भूमि सुधार और सामूहिक प्रयास भी जरूरी है।गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी खत्म होगी तो नक्सलवाद अपने आप समाप्त हो जाएगा। इतना ही नहीं नक्सलियों को स्थानीय मदद को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। सबसे बड़ी बात नक्सली घटनाओं को पूरी तरह से रोकने के लिए सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाने होंगे। इसके साथ ही जनता को भी जागरूक होना होगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में बनेगा आधुनिक खेल परिसर, सभी नगरीय निकायों में होंगे फिट इंडिया क्लब

भोपाल ■

युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित किया जाएगा

नगरीय निकायों में मौजूद खेल मैदानों और अधोसंरचना का उन्नयन कर खेल गतिविधियों को बढ़ाया जाएगा। नगरीय निकायों और खेल विभाग के बीच बेहतर समन्वय बनाकर कम्युनिटी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की योजना है। स्थानीय स्तर पर फिट इंडिया क्लब की स्थापना और सामुदायिक खेल आयोजनों से युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित किया जाएगा। इसके अलावा खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना और मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान जैसे कार्यक्रमों को भी पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा, जिससे युवाओं को खेलों के साथ-साथ सेना, पुलिस जैसी सेवाओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

प्रदेश में खेलों के विकास को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में बहुउद्देशीय आधुनिक खेल परिसरों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में फिट इंडिया क्लब खोले जाएंगे, जहां बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में खेलों के उन्नयन के लिये प्रदेश के सभी महापौरों की बैठक ली।

बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से नगरीय निकायों में खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने, युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने, नगरीय निगम के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों के पास पहले से मौजूद खेल मैदानों व अधोसंरचना का उन्नयन कर खेल गतिविधियों को गति दी जा सकती है। बैठक में नगरीय निकायों और खेल विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया, जिससे राज्य भर में खेलों का व्यापक प्रसार और विकास सुनिश्चित किया जा सके।

नगरीय निकायों में कम्युनिटी स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा

मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में कम्युनिटी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से विभिन्न पहल की जाएगी। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में सर्वसुविधायुक्त फिट इंडिया क्लब स्थापित किए जाएंगे। इन क्लबों में बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बैठक में सभी महापौरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में खेलों के उन्नयन के लिये क्षेत्र चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार करें। इससे खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा मिलेगा और स्वस्थ एवं सक्रिय समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकेंगे।

श्योपुर में चीतों को पानी पिलाने वाले युवक की नौकरी गई

श्योपुर। श्योपुर जिले में कूनो नेशनल पार्क के चार-चार चीतों तो पानी पिलाना फारेस्ट के ड्राइवर को महंगा पड़ गया। उसे अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ गया। वीडियो वायरल होने के बाद आनन-फानन में डीएफओ ने नियमों का उल्लंघन बताते हुए ड्राइवर को हटा दिया। मध्यप्रदेश के श्योपुर कूनो नेशनल पार्क के पास किसी गांव का एक वीडियो शनिवार को वायरल हुआ था। वीडियो में बताया गया था कि कूनो नेशनल पार्क के चार चीतों ने बकरी का शिकार किया था और उसके बाद पानी की तलाश में किसी गांव तक पहुंच गए थे। वहां फारेस्ट के ड्राइवर सत्यनारायण गुर्जर नाम के व्यक्ति ने चीतों के काफी करीब जाकर उन्हें पानी पिलाया था। भीषण गर्मी में पानी पिलाने के इस काम को काफी सराहा गया था, लेकिन वन विभाग ने नियमों का हवाला बताते हुए गुर्जर के खिलाफ कार्रवाई कर दी।

मुरैना में वन विभाग ने रेत माफियाओं का वाहन पकड़ा तो हुआ हमला, अचानक पथराव से दो वनपाल घायल

मुरैना ■

मामला देवगढ़ थाना क्षेत्र का बताया गया है। वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने में रखवा दिया है। पुलिस ने ट्रैक्टर मालिक सहित आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मुरैना देवरी गेम रेंजर भूरा गायकवाड़ के नेतृत्व में देवरी तथा मुरैना गेम रेंज की टीम बीती रात गश्त करने निकली थी। वन विभाग की दोनों टीमें चंबल किनारे गश्त करते हुए रात करीब 11 बजे देवगढ़ थाना क्षेत्र स्थित नंद पुरा की पुलिया के पास से गुजर रही थी, तभी रेत से भरा हुआ एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आता हुआ दिखाई दिया। वन विभाग की टीम को देखते ही चालक ने ट्रैक्टर को तेज रफ्तार से भगाना शुरू कर दिया।

फॉरेस्ट विभाग की टीम को पीछे आता हुआ देख चालक ट्रैक्टर से कूदकर भाग गया। वन विभाग के अधिकारी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर देवगढ़ थाने ले जा रहे थे, तभी मुख्य मार्ग पर पहुंचते ही आधा दर्जन बजरी माफियाओं ने पथराव कर हमला बोल दिया। वन विभाग की टीम ने बजरी माफियाओ का डटकर मुकाबला करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर थाने पहुंच गए। इस हमले में वनपाल महेश धाकड़ तथा वन रक्षक सुनील कंषाना घायल हुए हैं। इसके अलावा दो वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। पुलिस ने वन अधिकारियों की रिपोर्ट पर ट्रैक्टर मालिक सहित 4-5 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। रेंजर भूरा गायकवाड़ ने बताया कि रविवार रात गश्त करने के लिए निकले थे। नंद पुरा की पुलिया के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने ले जा रहे थे, तभी बजरी माफियाओं ने रास्ते में पथराव कर दिया। इस हमले में सौ कर्मचारी घायल हुए हैं, तथा सौ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। देवगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम पीड़ितों से मिली, आरोपी डॉक्टर प्रयागराज से गिरफ्तार

दमोह ■

दमोह के अस्पताल में हार्ट सर्जरी के दौरान 7 मौतों के आरोपों के बीच पहला मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में रात के अंधेरे में देर रात जिले के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन ने कोतवाली थाना पहुंचकर सर्जरी करने वाले फर्जी डॉक्टर डॉ. एन जॉन केम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं इस मामले में कलेक्टर ने मीडिया से बातचीत की है। देर शाम आरोपी डॉक्टर को पुलिस ने प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पुष्टि एमपी श्रुतकीर्ती सोमवंशी ने की है।

दमोह कलेक्टर कलेक्टर सुधीर कोचर ने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम दमोह पहुंची है। आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से चर्चा की है। इसके अलावा टीम पीड़ित परिवार के लोगों से भी मिल रही है। साथ ही ऑपरेशन से संबंधित कागजातों को भी देखा जा रहा है। ये क्रम अभी लगातार चलेगा। आयोग की टीम नौ अप्रैल दोपहर तक रहेगी। टीम जो भी प्रमाण मांग रही है, वो सभी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आयोग के निष्कर्षों के बाद स्थिति साफ हो जाएगी। वहीं टीम के सदस्यों से मीडिया ने बात करनी चाही। इस पर सदस्यों ने कहा कि वे जांच के बाद ही कुछ कहने की स्थिति में होंगे।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला

सीएसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि सीएमएचओ डॉ. मुकेश जैन ने कोतवाली में जांच प्रतिवेदन देकर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया है। प्रतिवेदन में उल्लेखित तथ्य के आधार पर डॉक्टर नरेन्द्र जान केम और अन्य के विरुद्ध धारा 318 (4),338, 336(3) 340(2)3 (5) वीएनएस, मप्र आयुर्वेज्ञान परिषद अधिनियम 1987 की धारा 24 का अपराध घटित करना पाए जाने से मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। सीएसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि डॉ. जॉन केम के पास ऑपरेशन करने की योग्यता से संबंधित लाइसेंस नहीं था। डॉक्टर नरेन्द्र जान केम के द्वारा मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसल में बिना पंजीयन के मिशन अस्पताल में एन्जियोग्राफी और एन्जियोप्लास्टी कर धोखाधड़ी की है। डॉक्टर के मेडिकल दस्तावेज रजिस्ट्रेशन की साइट पर नहीं दिख रहे हैं। साथ ही मप्र मेडिकल काउंसिल में बिना पंजीयन के कोई भी चिकित्सक मध्यप्रदेश में अपनी सेवाएं नहीं दे सकता है। इस संबंध में मिशन अस्पताल द्वारा कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराये गए हैं।

रेवा तट पर उमंग और श्रद्धा का संगम, माहिष्मती पंचकोशी पदयात्रा 39वें वर्ष में करेगी प्रवेश

महेश्वर ■

महेश्वर में मां नर्मदा के तट पर पंचकोशी पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। यह यात्रा 70 किमी की दूरी तय कर पांच दिन में पूरी होगी, जिसमें 15,000 से अधिक श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। अहिल्या घाट से शुरू हुई यह यात्रा आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक मानी जाती है।

मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित धार्मिक नगरी महेश्वर एक बार फिर आस्था और भक्ति के रंग में रंग उठी है। अहिल्या नगरी में सोमवार रात्रि पंचकोशी यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने शिव अर्पण नगरी के विविध घाटों पर रात्रि विश्राम किया। मंगलवार प्रातः 5 बजे यह यात्रा अपने 39वें वर्ष में प्रवेश करते हुए एक नई आध्यात्मिक यात्रा का शुभारंभ करेगी। नर्मदा परिक्रमा का संपूर्ण मार्ग 1312 किलोमीटर लंबा होता है, जिसे पूर्ण करने में साधकों को तीन वर्ष, तीन माह और तेरह दिन का समय लगता है। यह कठिन और तपस्वी यात्रा सभी के लिए संभव नहीं होती, इसलिए धर्मशास्त्रों और संतों के मार्गदर्शन में नर्मदा भक्तों ने 21 लघु चक्रीय यात्राओं का विधान बनाया है। इन लघु यात्राओं में भी श्रद्धा, भक्ति और तप की उसी भावना का दर्शन होता है। यह यात्रा प्रतिवर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी से प्रारंभ होकर शुक्ल पूर्णिमा तक चलती है। मंगलवार सुबह लगभग 5:30 बजे अहिल्या घाट पर मां नर्मदा का पूजन कर यात्रा का शुभारंभ होगा। दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालु इस पावन पदयात्रा में सम्मिलित होंगे। पंचकोशी यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक एकता का भी जीवंत उदाहरण है। महेश्वर का अहिल्या घाट एक बार फिर भक्ति, नाद और नर्मदा मैया की जय के जयघोष से गूंज उठा है।

एमपी के इटारसी में बड़ा हादसा, बस पलटने से कई लोगों की मौत

इटारसी। मध्यप्रदेश के इटारसी में बड़ा हादसा हुआ है। जहां आर्डिनेंस फैक्ट्री की ओर से इटारसी आ रही बस पलट गई। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 8 से 10 यात्रियों के घायल होने की खबर सामने आई है। यह हादसा पथरोटा पुलिस के पास का बताया जा रहा है। जिसमें बस कंडक्टर महेंद्र सिंह और महिला यात्री नजमा खातून की मौत हो गई है। सभी घायलों को इलाज के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा नेता निकला फर्जी डॉक्टर

जबलपुर ■

मध्यप्रदेश के जबलपुर से बड़ी खबर सामने आई है। जहां सिविल लाइंस पुलिस के द्वारा रविवार को भाजपा नेता शुभम अवस्थी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उसके ऊपर आरोप लगे हैं कि इसने कोरोना काल में आपदा को अवसर में बदलकर फर्जी डिग्री के आधार पर जिला अस्पताल में सरकारी डॉक्टर बनकर काम किया। वह कोविड-19 में संदिग्धों की मौत के सैंपल इकट्ठा करता था।

कोरोना काल की पहली लहर में के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों की नियुक्ति की गई थी। इसी दौरान मौका पाकर शुभम अवस्थी ने भी आयुष चिकित्सक के रूप में फर्जी डिग्री के आधार पर नियुक्ति पा ली थी। उसके द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से बीएएमएस की फर्जी डिग्री प्रस्तुत की गई थी। इसके बाद वह विक्टोरिया जिला अस्पताल में मरीजों का इलाज कर रहा था और सरकार के द्वारा वेतन का लाभ ले रहा था। इस मामले की शिकायत शैलेंद्र बारी के द्वारा की गई थी। जब जांच हुई तो पता चला कि शुभम ने स्वास्थ्य विभाग की नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद पुलिस की जांच भी ढीली पड़ गई। इसके बाद शैलेंद्र के द्वारा कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दे दिए। बताया जाता है कि शुभम अवस्थी बीजेपी से जुड़ा हुआ है।

स्कूल के समय में हुआ बदलाव, इतने बजे से लगेंगी 1 से 12वीं तक की कक्षाएं

सागर ■

मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी जमकर कहर बरपा रही है। जिसके चलते प्रदेश के कई स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया गया है। ऐसी ही बुंदेलखंड के सागर में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। जहां सभी सीबीएसई, नवोदय, शासकीय, अशासकीय संस्थाओं में कक्षा 1 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आगामी आदेश तक समय में परिवर्तन किया गया है।

अब ये रहेगा स्कूलों का नया समय- सागर कलेक्टर संदीप जीआर आदेश जारी करते हुए शासकीय/अशासकीय/नवोदय विद्यालय / सी.बी.एस.ई. शैक्षणिक संस्थाओं में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए आगामी आदेश तक शाला समय में परिवर्तन कर प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 12:00 तक किया जाता है। वहीं दो शिफ्त में संचालित होने वाले स्कूलों का समय समय यथावत रहेगा। साथ ही कलेक्टर ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि परीक्षाओं का संचालन निर्धारित समय-सारणी अनुसार रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा।

अखिलेश के रूख से पार्टी की हिन्दू लॉबी एवं पिछड़े मुसलमानों में नाराजगी

संजय सक्सेना
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को कानून बनाकर एक नया इतिहास लिख दिया है। इन संशोधनों को उम्मीद का नाम दिया गया है, लेकिन इंडिया गठबंधन में शामिल तमाम राजनैतिक दलों के साथ-साथ समाजवादी पार्टी ने भी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिये मोदी सरकार द्वारा लाये गये वक्फ संशोधन का खुलकर विरोध किया,लेकिन मुस्लिम राजनीति को करीब से जानने वाले कुछ लोगों को लग रहा है कि इससे सपा को फायदे की जगह नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। क्योंकि मुस्लिमों में कई पिछड़ी बिरादरियां इस बिल का समर्थन भी कर रही हैं। इसमें ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल, जमीयत हिमायत उल इस्लाम और पसमांदा मुस्लिम महाज जैसे मुस्लिम संगठन शामिल हैं,जिन्होंने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है. इन संस्थाओं ने वक्फ बोर्डों पर इतने सालों से काबिज रहे लोगों से तीखे सवाल पूछे हैं. इन संगठनों का दावा है कि वक्फ बिल पास होने से सिर्फ वो मुसलमान परेशान हैं जो खुद वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति पर कब्जा किए बेठे हैं.पसमांदा (पिछड़े) मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन वक्फ बिल के पक्ष में है. सितंबर 2024 में जेपीसी की बैठक में इसने बिल को 85 प्रतिशत मुस्लिमों के लिए फायदेमंद बताया था। इस संगठन का कहना है कि यह बिल वक्फ बोर्ड में सुधार लाकर हाशिए पर पड़े मुस्लिमों को लाभ पहुंचाएगा,लेकिन यह बात समाजवादी पार्टी जैसे दलों के नेताओं को समझ में नही आ रही है।

यही वजह है लोकसभा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिल के विरोध में अपने मुस्लिम सांसदों की फौजउतार दी। आजमगढ़ के सांसद धमेन्द्र यादव,संभल के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क,कैराना की सासंद इकरा हसन चौधरी,गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी,रामपुर के सांसद मोहिबुल्ला नदवी ने बिल के विरोध में मोदी सरकार को खूब खरी खोटी सुनाई, तो राज्यसभा में प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने बिल के विरोध में मोर्चा संभाला। इनमें से एक मुस्लिम सांसद ने तो चर्चा के दौरान धमकी भरी आवाज में यहां तक कह दिया कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेंगे। सपा की सांसद इकरा चौधरी ने बहस के दौरान झूठा आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में ईद पर मुसलमानों को नमाज नहीं पढ़ने दी गई। समाजवादी पार्टी ने वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ जिन सांसदों को बोलने का मौका दिया था,उसमें या तो यादव कुनबे से जुड़े सांसद थे या फिर मुस्लिम सांसद। सपा की तरफ से सात सांसदों ने अपनी बात विस्तार से रखी जिसमें चार मुसलमान सांसद थे और तीन मुलायम कुनबे के सांसद। समाजवादी पार्टी ने अपने 37 सांसदों में से जिन सांसदों को बहस के लिये चुना उसमें एक भी यादव कुनबे से इत्तर या फिर गैर मुस्लिम सांसद नहीं था। इसको लेकर अब समाजवादी पार्टी को शक की नजर से देखा जा रहा है। सपा के हिन्दू सांसदों के बारे में खबरें आ रही हैं कि उन्हें अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है। पार्टी के बेइंतहा मुस्लिम प्रेम के चलते हिन्दू बाहुल्य लोकसभा सीटों से चुनाव जीतने वाले हिन्दू सांसद अपने संसदीय क्षेत्र में मुंह दिखाने लायक नहीं रह गये हैं। इस बात का अहसास तब और मजबूत हो गया जब वक्फ बिल पर समाजवादी पार्टी के मुस्लिम परस्त रवैये के बीच अयोध्या लोकसभा चुनाव सीट से जीतने वाले सपा सांसद अवधेश प्रसाद अचानक रामलला के दर्शन करने पहुंच गए,जबकि अभी तक अखिलेश अपने इस सांसद को पार्टी का मुखौटा बनाये घूम रहे थे। अवधेश चुनाव जीतने के 11 महीने बाद रामलला के दर्शन करने पहुंचे थे। यह तब हुआ जबकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के इशारे पर अभी तक अवधेश प्रसाद रामलला के मंदिर जाने से बचते रहे थे,लेकिन अब उन्हें भी लगने लगा है कि यदि उनकी भी छवि मुस्लिम परस्त बन गई तो हिन्दू बाहुल्य रामलला की नगरी में आगे सियासत करना उनके लिए आसान नहीं होगी।यही स्थिति समाजवादी पार्टी के अन्य उन सांसदों की भी है जो 2024 के आम चुनाव में हिन्दू बाहुल्य क्षेत्र से चुनाव जीत कर आये थे।इसी के चलते इन सांसदों का वक्फ बिल के समर्थन में कोई बयान भी नहीं आया है। बात इससे आगे की कि जाये तो समाजवादी पार्टी ने खासकर उन सांसदों को बिल का विरोध करने का मौका दिया जिनकी छवि पहले से ही काफी विवादित है और इन सांसदों की पहचान हिंदुओं और उनके देवी देवताओं को अपमानित करने वाली रही हैं। एक-एक कर इन सांसदों की बात की जाये तो संभल के सांसद जिया-उर-रहमान के दिवंगत सांसद पिता अक्सर हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगला करते थे। उन्हीं की तर्ज पर जिया उर रहमान बर्क चल रहे हैं। नवंबर 2024 में संभल की शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी, जिसमें चार लोगों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। इस घटना के बाद, पुलिस ने सपा सांसद जिया उर रहमान के खिलाफ उपद्रव की साजिश रचने का मुकदमा दर्ज किया था। बर्क पर बिजली चोरी और संभल हिंसा के दौरान एक वर्ग विशेष के लोगों को भड़काने का भी आरोप है। इसी तरह से कैराना की सपा सांसद इकरा हसन चौधरी भले ही सांसद हों,लेकिन उनकी स्वयं की पृष्ठभूमि कोई राजनैतिक नहीं है। समाजवादी पार्टी कैराना की सांसद इकरा हसन के भाई, नाहिद हसन, का विवादों से गहरा नाता रहा है। वह समाजवादी पार्टी के विधायक हैं और उनके खिलाफ लगभग डेढ़ दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोप भी शामिल हैं. नाहिद की दबंगई के कारण कई हिन्दू परिवार कैराना से पलायन को मजबूर हो गये थे। जनवरी 2022 में, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले, नाहिद हसन को शामली में गिरफ्तार किया गया था। जिस कारण वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाये, इसके बाद समाजवादी पार्टी ने उनकी बहन इकरा हसन को कैराना सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल करा दिया। आज इकरा भाई की सोच को ही आगे बढ़ा रही हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी भी वक्फ बिल के दौरान मोदी सरकार पर खूब बरसे थे,अफजाल अंसारी माफिया मुख्तार अंसारी के बड़े भाई हैं। गाजीपुर के आसपास मुख्तार की तूती बोलती थी,कहा यह जाता था कि मुख्तार के पास मसल पॉवर थी तो इसके पीछे दिमाग अफजाल अंसारी का रहता था। समाजवादी पार्टी के गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी ने 12 फरवरी 2025 को शादियाबाद में संत रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में महाकुंभ स्नान पर विवादित टिप्पणी की। इससे पहले भी उन्होंने साधु-संतों और धार्मिक प्रथाओं पर टिप्पणियां की थी, जिनसे विवाद उत्पन्न हुआ था। मुख्तार अंसारी की मौत के समय अफजाल अंसारी को गाजीपुर की जिलाधिकारी से भी अभद्रता करते देखा गया था। समाजवादी पार्टी के रामपुर से सांसद मोहिबुल्ला नदवी भी वक्फ बिल के खिलाफ खूब दहाड़े थे,नदवी को अखिलेश ने अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की इच्छा के खिलाफ लोकसभा का टिकट दिया था। नदवी ने चुनाव प्रचार के दौरान एक बयान में जेल में बंद आजम का बिना नाम लिये कहा था कि जेल सुधार गृह होती है। जिससे पार्टी के भीतर तनाव बढ़ा। आजम खान की पत्नी तजीन फातिमा और मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा ने नदवी के इस बयान की आलोचना की। इन घटनाओं से समाजवादी पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेद और रामपुर की राजनीति में तनाव स्पष्ट होता है। नदवी का पारिवारिक जीवन भी विवादों से भरा है। नदवी का अपनी एक बीवी से तलाक का मुकदमा चल रहा है,उसे वह कोर्ट के आदेश के बाद भी गुजारा भत्ता नहीं दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने वक्फ बिल पर चर्चा के लिये जिन सांसदों को आगे किया,उसके चलते ही सपा पर आरोप लग रहा है कि अब उसके आइडियल मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम,दारा शिकोह, कृष्ण भक्त रसखान,वीर अब्दुल हमीद(परमवीर चक्र विजेता), बिस्मिल्लाह खां (शहनाई वादक), डॉ. अब्दुल कलीम अजीज (इतिहासकार), अब्दुल कय्यूम अंसारी (स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता), शाह मुबारक अली (शिक्षाविद और समाज सुधारक), जोहरा सहगल (अभिनेत्री और नृत्यांगना), कैप्टन अब्बास अली (स्वतंत्रता सेनानी) जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज के अधिकारी थे। आजादी के बाद समाजवादी पार्टी में सक्रिय रहे। पर इन हस्तियों के नाम पर समाजवादी पार्टी में कोई चर्चा नहीं होती है। बल्कि बाबर, औरंगजेब, बाहुबली अतीक अंसारी, मुख्तार अंसारी, यासीन मलिक, दाऊद, याकूब मैनन, अफजल गुरू जैसे विवादित लोग सपा में सिरमौर है। समाजवादी पार्टी की जब सरकार बनती है तो आतंकवादियों को जेल से छोड़ने की साजिश रची जाती है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

टैरिफ वार: विश्व व्यापार संधि का अस्तित्व खतरे में

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में व्यापार युद्ध (टैरिफ वार) ने वैश्विक व्यापार संधि को लेकर, दुनिया के देशों में एक नई चिंता पैदा कर दी है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अंतरराष्ट्रीय संस्थान जिनके जिम्मे नियम और कानून का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग 166 देशों द्वारा वैश्विक व्यापार संधि में हस्ताक्षर किए हैं। उन देशों के कारोबार और आर्थिक स्थिति को लेकर संकट खड़ा हो गया है। हाल ही में अमेरिका ने टैरिफ को लेकर जो निर्णय लिए हैं। वह वैश्विक व्यापार संधि के खिलाफ हैं। उससे सारी दुनिया के देशों मे अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर तनाव बन गया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ युद्ध ने सभी देशों में वैश्विक व्यापार व्यवस्था को बुरी तरह से अस्थिर कर दिया है। अमेरिका ने राष्ट्र हितों की दुहाई देकर चीन, भारत एवं अन्य देशों पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगा दिया है। वैश्विक व्यापार संधि के अनुसार उसको इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है।अमेरिका एक तरफा निर्णय ले रहा है। दूसरी ओर चीन ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस प्रतिशोधात्मक नीति का प्रभाव सारी दुनिया के देशों के साथ-साथ अमेरिका और चीन जैसे बड़े देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। इस टकराव के कारण दुनिया के 166 देशों में व्यापारिक स्थिरता को लेकर बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। यह स्थिति तब और भी चिंताजनक हो जाती है। जब वैश्विक व्यापार संधि को नियंत्रित करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस विवाद में निषप्रभावी दिखाई पड रही हैं। दुनिया के सभी देशों के बीच वैश्विक व्यापार संधि का मूल उद्देश्य सभी देशों के बीच व्यापार विवादों का समाधान करना और वैश्विक व्यापार को सभी देशों के लिए मुक्त व्यापार के लिये अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार सभी देशों के लिये निष्पक्ष एवं स्थिर नीति को बनाना और उनका पालन करने की जिम्मेदारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ युद्ध की शुरूआत की है। इसमें दो बड़ी वैश्विक शक्तियां अमेरिका और चीन वैश्विक व्यापार संधि के नियमों की अनदेखी करते हुए एक दूसरे के ऊपर मनमाने तरीके से टैरिफ लगाने की होड़ में लग गए हैं। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। अंतरराष्ट्रीय नियंत्रक संस्थायें चुप बैठी हुई हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है। अमेरिका ने चीन की 16 कंपनियों पर रोक लगा दी है। जवाबी कार्रवाई करते हुए चीन ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ा दिया है। चीन ने अमेरिका की कंपनियों पर रोक लगा दी है। दोनों देशों ने अब एक-दूसरे पर मनमाने तरीके से 50% से ज्यादा आयात शुल्क बढ़ा दिए हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति एवं वैश्विक व्यापार श्रृंखला बाधित होगी। इसका असर दुनिया के सभी देशों पर पड़ना तय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टेरिफ बार से विकासशील देशों की अर्थ व्यवस्था सबसे बुरे दौर से गुजर रही हैं। सभी देशों के शेयर मार्केट में भारी गिरावट है। आर्थिक मंदी का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिका से शुरू हुए इस टैरिफ युद्ध ने साफ कर दिया है। वैश्विक व्यापार संधि को लेकर अंतरराष्ट्रीय नियमो का पालन जब बड़े-बड़े देश नहीं करेंगे। ऐसी स्थिति में 1993 के बाद वैश्विक व्यापार संधि को लेकर जो वैश्विक व्यापार सारी दुनिया के देशों के बीच में शुरू हुए थे। उनका भविष्य खतरे में है। अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक व्यापार भविष्य में, जिसकी लाठी उसकी भैंस जैसी स्थिति बन गई है। दुनिया के सभी सभी देश अपने सामरिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण मनमाने की सोच को बढ़ावा मिलेगा। जिससे वैश्विक अराजकता बढ़ेगी। सभी देश अपने निजी हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेंगे। इससे सारी दुनिया के देश एक बार फिर अराजकता की स्थिति में लौट सकते हैं। समय आ गया है, वैश्विक वैश्विक व्यापार संधि के अंतर्गत नियम और कानून का पालन कराने के लिए जिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया था। वह अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए तुरंत कार्रवाई करें। सभी देश वैश्विक व्यापार संधि के नियमों का पालन करें। विवादों को सुलझाने के लिए वैश्विक नियंत्रक संस्थाएं आगे आएं। व्यापार युद्ध जैसी कार्यवाही से सभी देश बचें।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

क्या अबकी बंगाल बोलेगा 'जय श्रीराम' या फिर 'खेला होबे'

अजय कुमार | लेखक

बंगाल की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है और इस बार इसकी जड़ में है भगवान राम का नाम, जिसकी आस्था को भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सबसे बड़ी चुनावी रणनीति के रूप में चुन लिया है। 2026 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच सियासी तनाव गहराता जा रहा है।

ग्लोबल हेराल्ड

पश्चिम बंगाल में रामनवमी का पर्व अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं रह गया, बल्कि यह राज्य की राजनीति की दिशा और दशा तय करने वाला एक अहम मौका बन गया है। रामनवमी के दिन जिस तरह बीजेपी और उससे जुड़े संगठनों ने राज्य भर में तकरीबन 2000 शोभा यात्राएं निकालीं, उसने यह साफ कर दिया कि पार्टी 2026 के चुनाव में किस एजेंडे के साथ मैदान में उतरेगी। इन यात्राओं में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया, हाथों में भगवा झंडे, तलवारें, जय श्रीराम के नारे और भगवा वस्त्रों में लिपटे कार्यकर्ताओं की भीड़ ने यह संदेश दे दिया कि यह आस्था की नहीं, सियासत की भी यात्रा है। बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल और शुभेंदु अधिकारी जैसे वरिष्ठ नेता इन आयोजनों का चेहरा बने, जिन्होंने मंच से सीधे-सीधे ममता बनर्जी पर निशाना साधा। अग्निमित्रा पॉल ने यहां तक कहा कि राम शोभा यात्रा के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है, केवल पुलिस को सूचित करना होता है। वहीं शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में राम मंदिर की आधारशिला रखकर ममता बनर्जी को सीधे उनके गढ़ में चुनौती दी।

नंदीग्राम वही इलाका है जहां 2007 में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ हुए आंदोलन ने ममता को सत्ता की ओर पहला बड़ा मौका दिया था और अब वही स्थान बीजेपी की रणनीति का आधार बन गया है। बीजेपी इस बार किसी भ्रम में नहीं है। पार्टी को पता है कि पश्चिम बंगाल में उसने पिछले विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीतकर अपनी सबसे बड़ी सफलता दर्ज की थी और अब वह उस आधार को और मजबूत करना चाहती है। 2016 के चुनाव में जहां बीजेपी को केवल 10.2% वोट मिले थे, वहीं 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 38.1% तक पहुंच गया था। यह उछाल केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एक बदलते सामाजिक और सांस्कृतिक विमर्श का संकेत है, जिसे बीजेपी और आरएसएस बखूबी भुनाना चाह रहे हैं। इसीलिए अब पार्टी ने हिंदुत्व को चुनावी हथियार के रूप में और भी धारदार बना दिया है। रामनवमी की इन शोभा यात्राओं के पीछे केवल धार्मिक उत्साह नहीं था। यह सांस्कृतिक दावे और राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की एक योजनाबद्ध कोशिश थी। बंगाल के विभिन्न जिलों में जो यात्राएं निकाली गईं, उसमें भगवा रंग की स्पष्टता, जय श्रीराम के नारों की गूंज और हिंदू धर्म के प्रतीकों की भरमार ने यह स्पष्ट कर दिया कि बीजेपी अब बंगाल को भी उसी तरह हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाना चाहती है, जैसा वह उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में कर चुकी है। पार्टी यह साबित करने की कोशिश कर रही है कि बंगाल की धरती भी राम की है, यहां भी उनके भक्तों की संख्या कम नहीं है और वे अब राजनीतिक बदलाव की तैयारी में हैं।

बीजेपी की इस रणनीति के जवाब में ममता बनर्जी ने भी चुप्पी साधे रखने का रास्ता नहीं चुना। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि बंगाल की संस्कृति को बाहरी तत्वों से खतरा है। उन्होंने दोहराया कि बंगाल, गुजरात या यूपी नहीं है। यहां की संस्कृति, भाषा, खानपान और जीवनशैली अलग है और उसे किसी बाहर से आई विचारधारा से बदलने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव में भी इसी ह्यबाहरी बनाम बंगालीह्न नैरेटिव के सहारे बीजेपी को घेरने में कामयाबी पाई थी और अब वह उसी पथ को फिर से अपनाने जा रही हैं। बंगाली अस्मिता की बात कर ममता फिर से राज्य की जनता को यह संदेश देना चाहती हैं कि बीजेपी की हिंदुत्ववादी राजनीति इस राज्य की मिट्टी से मेल नहीं खाती। तृणमूल कांग्रेस इस बार न सिर्फ अस्मिता की बात करेगी बल्कि ममता की प्रशासनिक ताकत को भी सामने रखेगी। रामनवमी के दौरान किसी भी बड़े हिंसक घटना का न होना, पुलिस की मौजूदगी और शांति बनाए रखना, यह सब ममता सरकार की ओर से एक संदेश है कि वह हर हाल में कानून व्यवस्था बनाए रख सकती हैं। कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने खुद कहा कि पिछले दो महीने से शोभा यात्राओं को लेकर पुलिस बल की तैयारी की जा रही थी और इसी वजह से किसी तरह की बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई। ममता इसे अपनी सफलता के रूप में प्रचारित करेंगी और इसे बीजेपी की अराजकता के खिलाफ एक मजबूत प्रशासनिक प्रतिवाद के रूप में दिखाएंगी। बीजेपी की रणनीति के तहत अब बंगाल के उन स्थानों को भी धार्मिक नक्शे में प्रमुखता से रखा जा रहा है, जिनका रामायण काल से कोई न कोई संबंध माना जाता है। बर्दवान का सुश्रवणगढ़, बांकुड़ा का गंधेश्वरी मंदिर और बीरभूम का गिरिधारीपुर जैसे स्थानों को राम या हनुमान से जोड़ते हुए एक नया धार्मिक विमर्श रचा जा रहा है। यह कोशिश बंगाल की मिट्टी को राममय करने की है, जिससे जनता को यह विश्वास दिलाया जा सके कि राज्य की सांस्कृतिक पहचान और भगवान राम में कोई विरोध नहीं है। बीजेपी के लिए यह सांस्कृतिक पुनःस्थापना का अवसर है और वह इसमें कोई चूक नहीं करना चाहती। लेकिन यह लड़ाई केवल धार्मिक प्रतीकों तक सीमित नहीं रहेगी। टीएमसी के रणनीतिकार जानते हैं कि बीजेपी की लोकप्रियता को केवल अस्मिता की राजनीति से रोका नहीं जा सकता, इसके लिए जमीनी मुद्दों पर भी काम करना होगा। इसलिए ममता बनर्जी का जोर विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर भी रहेगा। महिला मतदाताओं के बीच उनकी पकड़ पहले से ही मजबूत है और वह इसे और भी मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही ममता यह भी चाहेंगी कि मुसलमान और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय उनके साथ एकजुट रहें, जैसा उन्होंने 2021 में किया था। भारतीय जनता पार्टी मुखर होकर हिन्दुत्व की राजनीति कर रही है। उसके सामने यह मजबूरी नहीं है कि हिन्दू वोटरों को खुश करने के चक्कर में उनके हाथों से मुस्लिम वोटर निकल सकते हैं। क्योंकि बीजेपी को मुस्लिमों का साथ कभी मिलता ही नहीं है। वहीं ममता बनर्जी एक तरफ मुस्लिम वोटों को कांग्रेस या वामपंथी दलों पाले में जाने से बचाने में लगी हैं। वहीं हिन्दुओं को भी नाराज नहीं करना चाहती हैं। यही दुविधा ममता बनर्जी पर भारी पड़ रही है। राहुल गांधी आजकल पश्चिम बंगाल पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उनका ज्यादा फोकस मुस्लिम वोटरों पर है, इसको लेकर भी ममता बेचैन हैं। कांग्रेस यदि बंगाल में ठीकठाक लड़ती है तो इससे ममता बनर्जी की पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है?वहीं बीजेपी मुस्लिम वोटों के बंटने पर फायदे में रहेगी बीजेपी का सियासी हमला हालांकि तीव्र है, लेकिन ममता की सरकार भी जवाब देने में उतनी ही तेज नजर आ रही है। राज्य में प्रशासनिक मजबूती, सांस्कृतिक गर्व और विकास के मिश्रण से वह यह संदेश देना चाहती हैं कि बंगाल की राजनीति का चेहरा बीजेपी नहीं, बल्कि तृणमूल ही है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी हर धार्मिक पर्व, हर सांस्कृतिक अवसर को एक चुनावी मंच की तरह इस्तेमाल कर रही है। रामनवमी इसके लिए पहला पड़ाव था, आने वाले महीनों में दुर्गा पूजा, दीवाली, और अन्य त्योहारों को भी राजनीतिक रंग दिए जाने की पूरी संभावना है। 2026 का चुनाव अब केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं रह गया, यह विचारधाराओं की जंग बन चुका है। एक ओर है राम के नाम पर ध्रुवीकरण की कोशिश, दूसरी ओर है बंगाली अस्मिता की रक्षा की हुंकार। यह संघर्ष अब चुनावी मैदान तक सिमटा नहीं रहेगा, बल्कि हर गली, हर चौक, हर मंदिर, हर कॉलेज और हर पंचायत में महसूस किया जाएगा। जनता को अब तय करना है कि वे किस रास्ते पर जाना चाहते हैं राम के नाम पर भगवा राजनीति या ममता की नीली-हरी अस्मिता। यह फैसला केवल बंगाल की दिशा नहीं तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करेगा।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

ड्रग तस्करी- पाबंदी की राह में मुश्किल है बहुत

वर्तमान समय में नशीले पदार्थों का गोरखधंधा देश के सभी हिस्सों में अपने पैर जमा चुका है ।छोटे शहर और कस्बे भी इसके चंगुल में बुरी तरह से फस चुके हैं ।क्योंकि इस गोरख धंधे में अकूत पैसा है ।इसलिए जल्द से जल्द धन कुबेर बनने की चाहत में लोग इस गैर कानूनी धंधे में संलिप्त होते चले जा रहे हैं । लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार ने देश को सामाजिक एवं आर्थिक दोनों मोर्चे पर खोखला बना रखा है। इससे मानव संसाधन पर काफी हद तक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। युवा पीढ़ी इसकी गिरफ्त में फंसकर बर्बाद हो रही है ।साथ ही साथ इस गैर कानूनी कारोबार से सरकार को भी राजस्व की क्षति हो रही है। अफीम एवं दूसरे नशीले पदार्थों का उपयोग दवाई बनाने में भी किया जाता है। लेकिन आज इससे दवा की जगह जहर बनाया जा रहा है। इससे अपराधी घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है ,क्योंकि नशे की हालत में इंसान का स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी रपट के मुताबिक तकरीबन 1 करोड 25 लाख लोग हेरोइन का नशा करते हैं, हालत यह है कि जिसमें से 60लाख लोग हेरोइन का सेवन किया बिना नहीं रह सकते हैं। हेरोइन पर पूर्ण तौर पर निर्भर लोग मुख्य रूप से पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और गुजरात के रहने वाले हैं। अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन तकरीबन 2700करोड की पंजाब में वाधा बॉर्डर और मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 1725करोड की ड्रग्स पकड़ी जा चुकी है ।इसी तरह गुजरात के भरुच जिले के अंकलेश्वर में भी 518 किलो हेरोइन बरामद हो चुकी है, काबिले गौर है कि आज भी देश में गैरकानूनी ढंग से ड्रग्स लेनदेन का महज दसवां भाग ही सरकारी एजेंसी जब्त कर पाने में सफल हो पा रही है, जिसके कारण इस धंधे में शामिल कारोबारी का मनोबल ऊंचा बना रहता है। वह मानकर चलते हैं कि वह पकडे नहीं जाएंगे। भारत हेरोइन उत्पादन करने वाले देशो गोल्डन ट्रायंगल, थाईलैंड ,लाओस, म्यांमार और गोल्डन क्रिसेंट, अफगानिस्तान, पाकिस्तान ,ईरान के बीच में अवस्थित है ।हेरोइन का 90% उत्पादन इन्हीं दो क्षेत्र से होता है। भारत में हेरोइन मुख्यत म्यांमार ,पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आती है ।इसी वजह से देश के उत्तर पूर्वी और उत्तर पश्चिमी प्रदेशों में ड्रग्स का ज्यादा अवैध कारोबार होता है। ड्रग्स के कारोबार की रोकथाम के लिए मुख्य रूप से एनसीबी और राज्य पुलिस काम कर रही है। अन्य एजेंसिया जैसे डी आर आई, कस्टम और राज्य उत्पादन शुल्क की इस मामले में भूमिका सीमित है। मामले में सवाल का उठना लाजिमी है कि ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए उपाय क्या है? जांच एजेंसी द्वारा सिर्फ ड्रग्स पकड़ना मामले में काफी नहीं है।। जरूरत है ड्रग्स कारोबारियों के पूरे नेटवर्क को तोड़ा जाए। स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1885 से मिले अधिकार का उपयोग करके जांच अधिकारी ड्रग्स के कारोबार से अर्जित की गई। सभी संपत्तियों को पहचान करके उन्हें फ्रिज करें साथ ही साथ उनकी नीलामी में भी करवाए। वर्तमान में एजेंसियों के बीच तालमेल का भी अभाव है । ड्रग्स के काले गोरखधंधे को रोकने के लिए सीमा शुल्क के अधिकारी ,आयकर महकमे के अधिकारी ,पुलिस के अधिकारी ,राजस्व निदेर्शालय के अधिकारी और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को मिलकर काम करना चाहिए । ड्रग्स की खपत को कम करके भी इसके कारोबार को नियंत्रित किया जा सकता है ,लेकिन इसके लिए ड्रग्स का सेवन करने वालों को जागरूक बनाने की जरूरत है ।जब ड्रग्स का सेवन करने वाले उपभोक्ता ही नहीं रहेंगे तो स्वाभाविक रूप से ड्रग्स की आपूर्ति कम हो जाएगी ।गैस एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन व्यक्तियों को ड्रग्स के कारोबार के अपराध में गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अदालत द्वारा कम से कम 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा मिले।हो सके तो त्वरित अदालतों (फास्ट ट्रैक कोर्ट)का गठन कर मामले का निपटारा भी किया जाए। ऐसा होने पर ही ड्रग्स कारोबारियो के बीच भय का संचार होगा। ड्रग्स केअवैध कारोबार ने समाज की समक्ष एक गंभीर खतरे को जन्म दिया है ।आज ड्रग्स का कारोबार देश की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गया है ।यह देश के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बना हुआ है। जांच एजेंसियां ड्रग्स जरूर पकड़ रही है, लेकिन इसकी मात्रा को पर्याप्त कतई नहीं कहा जा सकता है। लिहाजा ड्रग्स का गोरखधंधा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और उन पर अंकुश लगाने के लिए उनकी संपत्ति को जप्त करना और उन्हें नीलाम करना बहुत ही जरूरी है।

मुकेश तिवारी
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

क्या वनो की कटाई से विकास का मार्ग अपनाया जाना चाहिए?

हैदराबाद के आईटी हब में स्थित यह भूमि विवाद का विषय बन गई है, क्योंकि लोग इस पर हरियाली, शहरी क्षेत्रों के लिए जगह और वन्यजीवों के लिए जगह के नुकसान को लेकर चिंता जता रहे हैं। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र इसकी नीलामी का विरोध कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह भूमि विश्वविद्यालय को हस्तांतरित कर दी जाए। हैदराबाद सरकार के अनुसार, इस विकास से भारी निवेश और रोजगार की संभावनाएं खुलेंगी, जो सामान्य रूप से तेलंगाना और विशेष रूप से हैदराबाद के विकास को बढ़ावा देगी। एवं सरकार के द्वारा यह भी कहा गया की 400 एक-ड़ भूमि वन है, इस भूमि को कभी भी प्रासंगिक अधिनियमों के तहत वन भूमि के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया है। इसे राजस्व अभिलेखों या वन अभिलेखों में वन भूमि के रूप में नहीं दिखाया गया है। कांचा गाचीबोवली में सुवेरी नंबर 25 की भूमि को कांचा पोरामबोके के रूप में वगीर्कृत किया गया है। कांचा का मतलब चरागाह/बंजर भूमि है। इसमें कहा गया है कि सरकार पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) के अतिरिक्त, ऐसे स्थलों के आसपास पार्क विकसित करके भूमि में ऐतिहासिक चट्टान संरचनाओं (मशरूम रॉक आदि) को नुकसान न पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी विकास परियोजना को पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए बिना आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।

रवि रंजन
स्वतंत्र लेखक

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक करिज्मा 250 जल्द होगी लांच

नई दिल्ली ■

हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक करिज्मा 250 जल्द लांच होने वाली है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी आने वाले हफ्तों में इसकी बुकिंग और डिलीवरी शुरू कर सकती है। इस बाइक को पहली बार 2024 में इटली के मिलान में हुए ईआईसीएमए मोटर शो में प्रदर्शित किया गया था और फिर जनवरी 2025 में भारत मोबिलिटी शो में इसे पेश किया गया। माना जा रहा है कि इस नई बाइक के लॉन्च के साथ हीरो मोटोकॉर्प अपनी मौजूदा करिज्मा एक्सएमआर 210 को बंद कर सकती है, क्योंकि यह बाजार में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले तीन महीनों में इसकी बिक्री शून्य रही है। हीरो करिज्मा 250 में 250सीसी का सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड डीओएचसी इंजन दिया गया है, जो 9,250 आरपीएम पर 29.5बीएचपी की पावर और 7,250आरपीएम पर 25 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को कंपनी के मौजूदा 210सीसी इंजन से लिया गया है, लेकिन इसमें स्ट्रोक लंबाई को 7एमएम बढ़ाया गया है। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जो स्लिप और असिस्ट क्लच के साथ आएगा। यह बाइक 0 से 60 किमी प्रति घंटा की स्पीड सिर्फ 3.25 सेकंड में पकड़ने में सक्षम होगी। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला केटीएम आरसी 200, यामाहा आर15 और सुजुकी जिक्सर SF 250 से होगा। डिजाइन के मामले में यह अपने पुराने मॉडल की तुलना में अधिक आकर्षक और मॉडर्न होगी। इसमें टीएफटी डिस्प्ले, स्विचेबल एबीएस मोड्स, यूएसडी फोर्क और एडजस्टेबल क्लिप-ऑन हैंडलबार दिए गए हैं।

बाजार में कोहराम के बीच सोने-चांदी ने दिखाई चमक

नई दिल्ली ■

देश के सराफा बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले, जबकि सोने के भाव हल्की गिरावट के साथ खुलने के बाद चढ़ गए। सोने के वायदा भाव 88,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 88,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 75 रुपये की गिरावट के साथ 88,000 रुपये के भाव पर खुला। पिछला

बंद भाव 88,075 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 91,423 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 1,627 रुपये की तेजी के साथ 88,884 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 87,211 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,055.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 4000 अंक लुढ़का, निफ्टी भी गिरा

मुंबई ■

डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी टैरिफ से उपजी आशंकाओं और अमेरिकी बाजार की रिकॉर्ड गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखी गई। भारतीय शेयर बाजार के लिए सोमवार ब्लैक मंडे साबित हुआ।

अमेरिका ने 180 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया है। इसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर 34 फीसदी का जवाबी टैरिफ लगा दिया है। इससे विश्व में ग्लोबल ट्रेड वॉर की चिंता गहराई गई है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है। इससे बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिल रही है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4000 अंक के करीब गिरकर 71,449.94 पर

खुला। जबकि शुक्रवार को यह 75,364.69 अंक पर बंद हुआ था। सुबह की शुरूआत में सेंसेक्स 3153.86 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 72,210.83 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 21,758.40 पर खुला। शुक्रवार को यह 22,904 पर बंद हुआ था। सुबह की शुरूआत में निफ्टी 996.15 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 21,908.30 अंक पर कारोबार कर रहा था। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को आई बड़ी गिरावट से निवेशकों को तगड़ा नुकसान हुआ है। बाजार खुलते ही बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप गिरकर 3,86,01,961 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह शुक्रवार को 404,09,600 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बाजार खुलने के 10 मिनट के अंदर निवेशकों की वेल्थ 18,07,639 करोड़ रुपये घट गई। इससे पहले शुक्रवार के सेंसेक्स 930.67 अंक टूटकर 75,364.69 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी50 में 345.65 अंकों की गिरावट आई थी और यह 1.49 फीसदी टूटकर 22,904.45 पर बंद हुआ था। एशियाई बाजारों में भी बड़ी गिरावट: एशियाई बाजारों में सोमवार को गिरावट का सिलसिला जारी रहा।

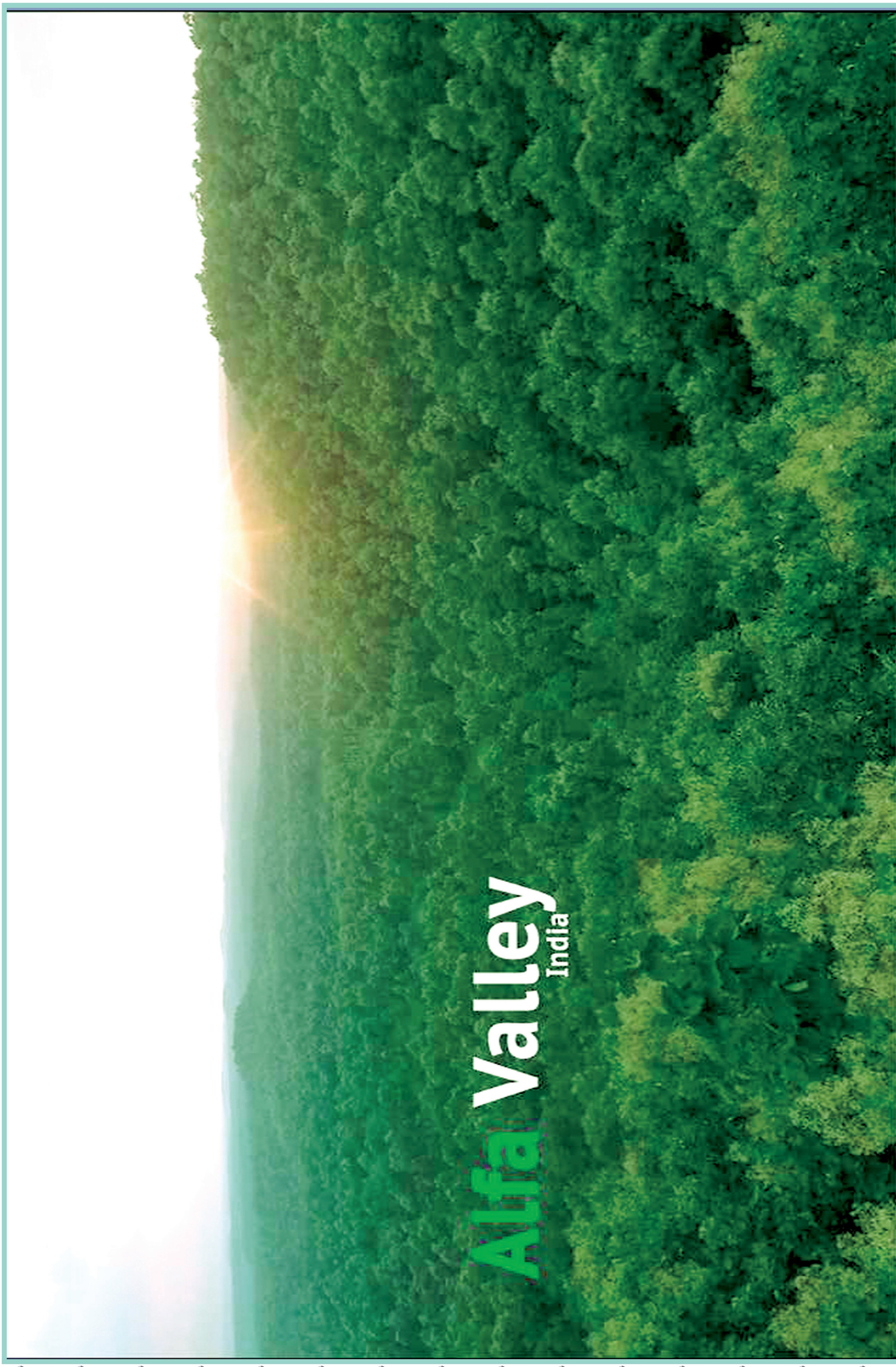
Alfa Valley
India

मनोरंजन

प्रियंका की चमकदार त्वचा का राज आया सामने

हाल ही में सोशल मीडिया पर ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपना स्किनकेयर सीक्रेट साझा किया। एक्ट्रेस की चमकदार त्वचा का राज सामने आया है। प्रियंका ने अपनी पोस्ट-स्किनकेयर ग्लो को दिखाते हुए एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह बेहद फ्रेश और रेजुवेनेटेड नजर आ रही थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह फेस शीट मास्क लगाए आराम कर रही थीं। उनकी इस पोस्ट ने फैंस को उनकी ब्यूटी रूटीन के बारे में और जानने के लिए उत्साहित कर दिया। स्किनकेयर के अलावा, प्रियंका ने अपनी बेटी मालती मैरी के साथ एक दिल छू लेने वाली तस्वीर भी शेयर की। इस तस्वीर में मां-बेटी की जोड़ी प्यार से एक-दूसरे को निहार रही है। प्रियंका जहां ऑल-ब्लैक आउटफिट में खूबसूरत लग रही थीं, वहीं मालती फ्लोरल ड्रेस में बेहद क्यूट नजर आईं। प्रियंका ने इस खास पल को कैप्शन दिया, घर। हाल ही में प्रियंका जयपुर की यात्रा पर भी गई थीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर इस ट्रिप की कुछ खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो साझा किए। हवा महल की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, बहुत सुंदर। इसके अलावा, उन्होंने महारानी गायत्री देवी की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह किताब पढ़ रही थीं।

मीका सिंह के साथ 50 रुपये में करता था मुकेश छाबडा डांस

अपने करियर के शुरुआती दिनों में अभिनेता मुकेश छाबड़ा गायक मीका सिंह के साथ सिर्फ 50 रुपये में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करते थे। हाल ही में फिल्म निर्माता और अभिनेता मुकेश छाबड़ा ने अपने संघर्षों को याद करते हुए एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। अपकमिंग म्यूजिकल थ्रिलर चमकः द कन्वलूजन की टीम हाल ही में इंडियन आइडल 15 के सेट पर पहुंची, जहां मीका और मुकेश ने पुराने दिनों को याद करते हुए मजेदार बातें कीं। इस दौरान, मुकेश ने अपने संघर्षों को साझा करते हुए कहा, मीका सिंह ने मुझे पहला मौका दिया था। मैं उनके लिए बैकग्राउंड डांसर के रूप में सिर्फ 50 रुपये में काम करता था। यह एक शानदार अनुभव था और मैं हमेशा इसके लिए उनका आभारी रहूंगा। आज हम दोनों ने लंबा सफर तय किया है, और उनके साथ फिर से स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक खास एहसास है।इस बातचीत के दौरान मीका सिंह ने भी मुकेश छाबड़ा की तारीफ करते हुए कहा, मैंने मुकेश को बैकग्राउंड डांसर के रूप में देखा है, फिर कोरियोग्राफर के रूप में और अब एक शानदार अभिनेता और फिल्म निर्माता के रूप में। उन्होंने अपने करियर में कई मुकाम हासिल किए हैं, जो उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। किसी को भी उम्मीद नहीं खोनी चाहिए, क्योंकि मेहनत से सब कुछ संभव है। फिल्म चमकः द कन्वलूजन को रोहित जुगराज ने निर्देशित किया है और इसका निर्माण गीतांजलि मेहलवा चौहान, रोहित जुगराज और सुमित दुबे ने किया है। यह एक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसमें गिप्पी ग्रेवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म छोरी 2 का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर लॉन्च

बहुप्रतीक्षित हॉरर फिल्म छोरी 2 का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर लॉन्च हो गया है। फिल्म के निर्देशक विशाल फुरिया ने इस बार कहानी को और गहराई में ले जाकर तिलिस्मी डर, लोक मान्यताओं और एक माँ के संघर्ष को दिखाया है। यह फिल्म 2021 की हिट हॉरर मूवी छोरी का सीक्वल है, जो रहस्य और लोककथाओं से भरपूर थी। फिल्म में नुसरत भरुचा साक्षी के किरदार में वापसी कर रही हैं, जो अपनी बेटी इशानी को बचाने के लिए अज्ञात और खतरनाक शक्तियों से भिड़ती है। उनके साथ इस बार सोहा अली खान भी दासी माँ के रहस्यमयी किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी में सस्पेंस बढ़ाने का काम करेगी। इसके अलावा, फिल्म में गश्मीर महाजनी, सौरभ गोयल, पल्लवी अजय, कुलदीप सरीन और हार्दिका शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं। छोरी 2 का एक्सक्लूसिव प्रीमियर 11 अप्रैल 2025 को प्राइम वीडियो पर होगा और इसे भारत सहित 240 से अधिक देशों में स्ट्रीम किया जाएगा। ट्रेलर की शुरुआत एक अनजान और भयावह गुफा के दृश्य से होती है, जहां अंधेरा और रहस्यमय ताकतें साक्षी की दुनिया को घेर लेती हैं। यह भाग छोरी की तुलना में और भी डरावना, गहरा और अप्रत्याशित है, जहां एक माँ का संघर्ष उसकी सबसे बुरी कल्पनाओं को हकीकत में बदल देता है। साक्षी को अपनी बेटी को बचाने के लिए अलौकिक ताकतों और डरावनी लोककथाओं से जूझना पड़ता है। वहीं, सोहा अली खान का किरदार कहानी में नया ट्विस्ट जोड़ता है, जिससे रहस्य और भय का स्तर बढ़ जाता है। फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में नुसरत भरुचा ने कहा, छोरी 2 में वापसी करना मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। इस बार डर पहले से कहीं अधिक वास्तविक और गहरा महसूस होता है।

हैरी ब्रूक इंग्लैंड की टी-20 और वनडे टीम के कप्तान, कहा- यह मेरे लिए सम्मान की बात

लंदन ■ एजेंसी

हैरी ब्रकू इंग्लैंड की टी-20 और वनडे क्रिकेट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। ईसीबी ने सोमवार को ब्रूक को वाइट बॉल कैप्टन बनाने का ऐलान किया। वे जोस बटलर की जगह लेंगे। बटलर ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया था। 26 साल के हैरी ब्रूक ने कहा- %यह मेरे लिए सम्मान की बात है। जब मैं व्हार्फडेल में बर्ले क्रिकेट खेलता था। तब यॉर्कशायर से खेलने और इंग्लैंड की कप्तानी करने का सपना देखता था। यह मौकों मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

खराब प्रदर्शन की वजह से बटलर ने कप्तानी छोड़ी थी

बटलर ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से कप्तानी छोड़ दी थी। उन्होंने एक मार्च को कराची में टीम के आखिरी ग्रुप स्टेज मैच से पहले कहा था- मेरे लिए कप्तानी छोड़ने का यही सही समय है, टीम के लिए भी यही समय है। इंग्लिश टीम चैंपियंस ट्रॉफी में एक भी मैच नहीं जीत सकी थी और ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। इतना ही नहीं, टीम 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में नॉकआउट स्टेज तक नहीं पहुंच सकी थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी कर चुके हैं ब्रूक

ब्रूक जनवरी 2022 में डेब्यू करने के बाद से इंग्लैंड की वाइट बॉल टीम का अहम हिस्सा हैं। वे पिछले एक साल से वनडे और टी-20 टीम के वाइस कैप्टन हैं। उन्होंने सितंबर-2024 में बटलर की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में इंग्लिश की कप्तानी कर चुके हैं। वे न्यूजीलैंड में 2018 आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं।

रोहन ने हासिल की उपलब्धि, एटीपी मास्टर्स का मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। 45 साल के बोपन्ना ने मोंटे कार्लो मास्टर्स 2025 के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की। बोपन्ना ने अमेरिका के अपने पार्टनर बेन शेल्टन के साथ फ्रांसिसको केरुंडोलो और अलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 7-5 से हराया।

बोपन्ना से पहले यह रिकॉर्ड कनाडा के डेनियल नेस्टोर के नाम था जिन्होंने 2017 में 44 साल आठ महीने की उम्र में मैच जीता था। नेस्टोर और फ्रांस के फैबरिस मार्टिन ने बोपन्ना और पाब्लो कुएवास को राउंड ऑफ 32 में 6-3, 6-2 से हराया था। बोपन्ना का मोंटे कार्लो टूर्नामेंट में सामना अब इटली की जोड़ी सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावासोरी से होगा।

कुछ समय से खराब फॉर्म में गुजर रहे हैं बोपन्ना

शेल्टन और बोपन्ना की एटीपी रैंकिंग में विश्व की 14वें नंबर की जोड़ी ने फ्रांसिसको और ताबिलो की जोड़ी को महज 71 मिनट में हराया। बोपन्ना पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के नुनो बोर्ग्स के साथ खेलने के बाद बोपन्ना दुबई टेनिस चैंपियनशिप, इंडियन वेल्स मास्टर्स और मियामी ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने में असफल रहे थे।

क्लासिक भाला फेंक इवेंट में खेलते नजर आयेंगे नीरज

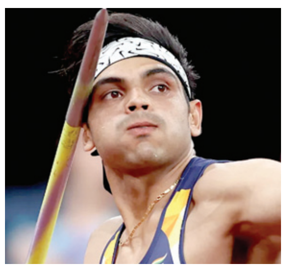

पंचकूला ■ एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अगले माह हरियाणा के पंचकूला में एक घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नीरज यहां 24 मई को क्लासिक भाला फेंक इवेंट में शामिल होंगे। इसी के साथ ही नीरज एक साल से भी अधिक समय के बाद किसी घरेलू टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे।

इससे पहले घरेलू मैदान पर अंतिम बार वह मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में उतरे थे। अब 374 दिनों के बाद नीरज भारत में प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। इससे पहले अंतिम बार वह मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में उतरे थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि नीरज चोपड़ा के अलावा इस क्लासिक इवेंट में विश्व के कई अन्य टॉप भाला फेंक खिलाड़ी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता की तैयारियों अभी जारी है। नीरज टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता है हालांकि पेरिस ओलंपिक में वह रजत पदक ही जीत पाये थे। विश्व चैम्पियनशिप सही कई और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह नंबर एक स्थान पर रहे हैं। सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से सभी को अंदाज हो जाएगा कि भारत एथलेटिक्स के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। सागू ने कहा, ‘यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था।

लॉरेस विश्व खेल पुरस्कारों में आकर्षण का केंद्र होंगे जोकोविच वॉ-बोरिस बेकर भी रहेंगे मौजूद

मैड्रिड ■ एजेंसी

महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच स्पेन की राजधानी में होने वाले लॉरेस विश्व खेल पुरस्कारों में आकर्षण का केंद्र होंगे। खिलाड़ियों को दिए जाने वाले पुरस्कारों की यह 25वीं वर्षगांठ है। यह लगातार दूसरा साल है जब पुरस्कार समारोह का आयोजन मैड्रिड में हो रहा है। ये पुरस्कार 21 अप्रैल को प्रतिष्ठित पैलेसियो डी सिबेल्स में दिए जाएंगे।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पांच बार के लॉरेस के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जोकोविच ने कहा, लॉरेस विश्व खेल पुरस्कार की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए फिर से मैड्रिड आना रोमांचक है। मैंने पिछले साल मैड्रिड में अपना पांचवां लॉरेस खिताब जीतने की यादें संजोई हैं और सौभाग्यशाली हूं कि फिर इस समारोह के शामिल होने का मौका मिला है। महान क्रिकेटर स्टीव वॉ, छह बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन और जोकोविच के पूर्व कोच बोरिस बेकर, दिग्गज फुटबॉल काफू, लुई फिगो के अलाव महान जिम्नास्ट नादिया कोमानेची भी समारोह के दौरान मौजूद रहेंगे।

ईशांत शर्मा पर आईपीएल नियम तोड़ने का आरोप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

गुजरात टाइटंस के गेंदबाज ईशांत शर्मा पर आईपीएल के नियमों को तोड़ने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाने साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। ईशांत शर्मा पर यह कार्रवाई गुजरात टाइटन्स (जीटी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच हुए मैच के दौरान हुई।

ईशांत शर्मा को आर्टिकल 2.2 के तहत दोषी पाया गया है। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। आईपीएल के बयान में कहा गया- ईशांत शर्मा ने अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया। क्या है बीसीसीआई का अनुच्छेद 2.2 बीसीसीआई का नियम अनुच्छेद 2.2 में सामान्य क्रिकेट की गतिविधियों से बाहर कोई भी कार्रवाई

शामिल है, जैसे कि विकेटों को मारना या लात मारना और कोई भी कार्रवाई जो जानबूझकर, लापरवाही से या असावधानी से (किसी भी मामले में भले ही आकस्मिक हो) विज्ञापन बोर्ड, बाउंड्री फेंस, ड्रेसिंग रूम के दरवाजे, दर्पण, खिड़कियां और अन्य किसी चीज को नुकसान पहुंचाती है। उदाहरण के लिए यह अपराध तब हो सकता है, जब कोई खिलाड़ी निराशा में अपना बल्ला जोर से घुमाता है और विज्ञापन बोर्ड को नुकसान पहुंचाता है। 13 की इकोनॉमी से की गेंदबाजी ईशांत शर्मा को इस मैच में कोई सफलता नहीं मिली।

अगले माह टेनिस कोट में वापसी करेंगे सिनर

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आयेंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर इसके बाद उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौता हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने थे। ये निलंबर इसी माह समाप्त हो जाएगा। इस दौरान उनके जीते खिताब ओर ईनामी राशि भी वापस नहीं ली जाएगी। उनको इस प्राकर की सुविधा मिलने से काफी विवाद भी उठा था। वहीं विश्व के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने नाराजगी भी जतायी थी। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है।

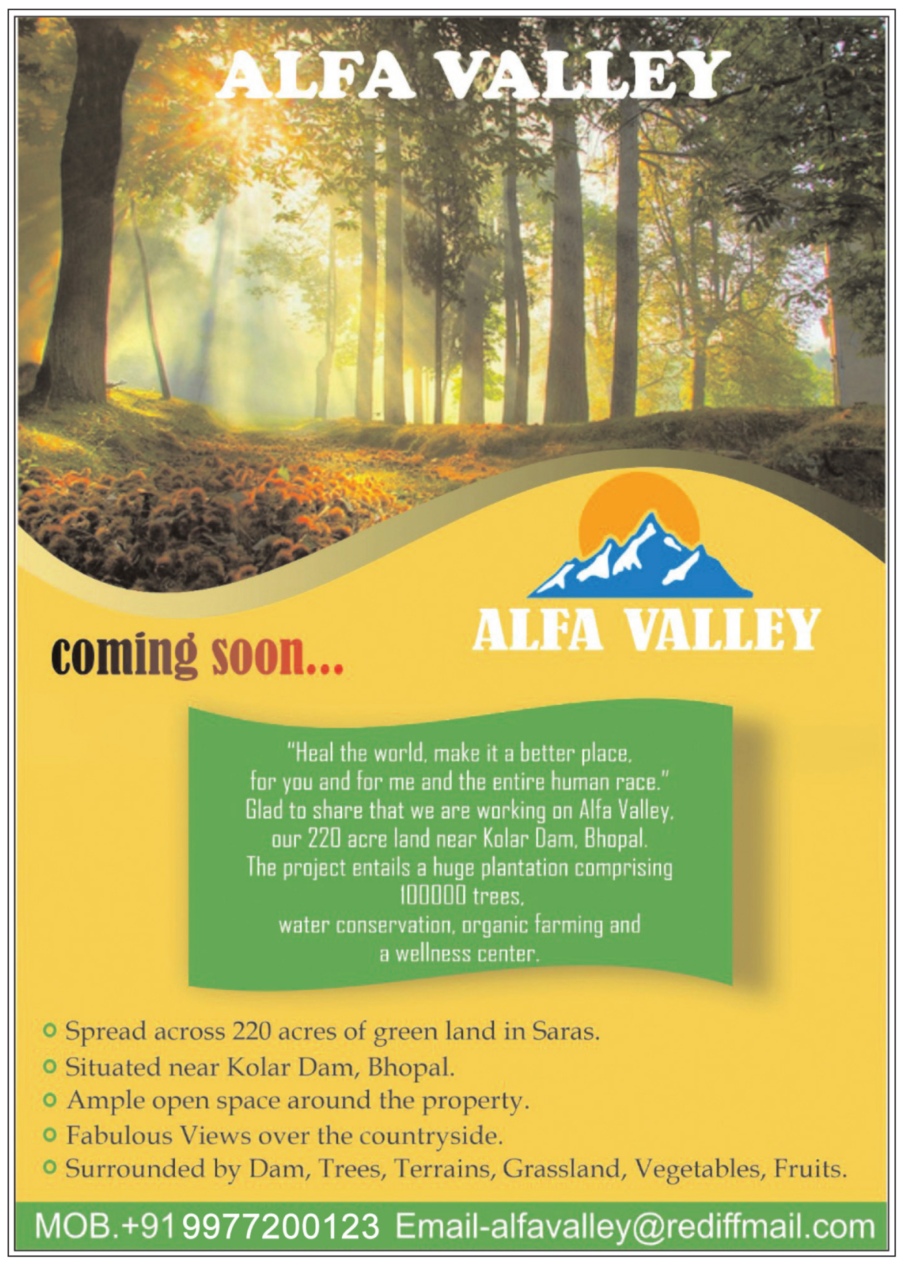

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com